



केंद्रीय मंत्री शाह की भीष्म...

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



फिल्म मेकर के रूप में दूसरी...

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 200

गाजियाबाद / गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य -04 रूपए

संक्षिप्त

समाचार

अमृतसर से लाए टाइगर पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग में इस्तेमाल हथियार अमृतसर से लाए गए थे। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत के कुणाल (21) और सुमित (19) ने लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित के निर्देश पर एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए। इसके बाद उत्तर प्रदेश की राधा (23) और बबीता (23) नाम की दो महिलाओं ने इन्हें मुंबई तक पहुंचाया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कुणाल, सुमित, राधा और बबीता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक,



हथियार जुटाने और उन्हें शूटरों तक पहुंचाने में चारों का रोल था। इससे पहले पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों बिहार के ऋतिक और हरियाणा के रेहान और फूल सिंह को सोमवार को कोटा से गिरफ्तार किया था। अमृतसर से मुंबई तक हथियार सप्लाई की साजिश- जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुणाल जुलाई में सोनीपत जेल से बाहर आया था। इसके बाद एक दोस्त ने उसकी मुलाकात लॉरेंस गैंग के मेंबर अनिल पंडित से कराई। दोनों एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए बातचीत करने लगे। पुलिस का शक है कि अनिल विदेश में रहकर अपने नेटवर्क के लोगों को निर्देश दे रहा था।

इशाक डार के सामने राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर घेरा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता। मंत्री ने कहा कि आतंकवाद से निपटने



में दोहरा रवैया नहीं होना चाहिए। आतंकियों को पैसा देने, उनका समर्थन करने और उन्हें पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार भी बैठक में मौजूद थे। राजनाथ ने कहा कि आतंकवाद से निरोध लोगों की जान जाती है। इससे निवेश और कारोबार प्रभावित होते हैं, समाज में कटरता बढ़ती है। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई करने की अपील की। राजनाथ ने अपने भाषण में पाकिस्तान या इशाक डार का नाम लेकर सीधे कोई आरोप नहीं लगाया। उन्होंने बिना नाम लिए चीन पर भी निशाना साधा और कहा कि कनेक्टिविटी के नाम पर किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। राजनाथ बोले- संप्रभुता का सम्मान करते हुए योजनाएं बनें- राजनाथ सिंह ने कहा कि देशों को जोड़ने वाली परियोजनाएं सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए बनाई जानी चाहिए।

ईपिक नंबर वही, मतदाताओं के बदले गए नाम, बड़ा आरोप

- यूपी की वोटर लिस्ट में हेरफेर का गंभीर आरोप
- कांग्रेस ने एसआईआर पर चुनाव आयोग को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे को यूपी कांग्रेस के नेताओं ने उठा लिया है। प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी, ईपीआईसी नंबरों के समान रहते हुए नाम बदलने और 'वोट चोरी' का गंभीर आरोप लगाते हुए बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इसे सही करने के लिए चुनाव आयोग से जल्दी कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, सांसद इमरान मसूद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मौजूद थे।



मणिपुर में नहीं थम रहा है हिंसा का नया दौर

- अब कुकी व्यक्ति की गोली मारकर की गई हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांगपोकपी जिले में मंगलवार सुबह उग्रवादियों ने कुकी समुदाय के व्यक्ति पाओलेन खांगसाई की गोली मारकर हत्या कर दी। वह पी मोल्लिंग गांव के एक अन्य व्यक्ति के साथ जंगल में बांस की कोपलें इकट्ठा करने गए थे तभी उग्रवादियों ने हमला किया। दूसरा व्यक्ति हमले में जान बचाकर भागने में सफल रहा। हत्या के विरोध में कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी ने जिले में आधी रात से 24 घंटे के बंद का आह्वान किया है। सोमवार को इसी जिले में उग्रवादियों ने सुनरोक क्षेत्र



में जलावन की लकड़ी बीन रहे मैतेयी समुदाय के 14 लोगों पर उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई थी। इस बीच मैतेयी समुदाय के तीन लोगों की हत्या के विरोध में मंगलवार को 48 घंटे के बंद के चलते घाटी के पांच जिलों में जनजीवन प्रभावित रहा। इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, थोबल और काकचिंग में बाजार, शिक्षण संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सार्वजनिक परिवहन भी ठप रहा, हालांकि कुछ निजी वाहन चलते दिखे।

अब दिल्ली में भी बनेगा साबरमती जैसा रिवरफ्रंट

यमुना किनारे 52 किमी लंबा कॉरिडोर होगा विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट बनाने वाली कंपनी अब दिल्ली में यमुना किनारे रिवरफ्रंट विकसित करने में मदद करेगी। दिल्ली सरकार इसकी जिम्मेदारी साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सौंपने की तैयारी कर रही है। जल मंत्री प्रवेश साहिव सिंह के मुताबिक, कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन की फाइल आगे बढ़ा दी गई है। परियोजना दो चरणों में पूरी होगी। पहला पल्ला से वजीराबाद और दूसरा वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक होगा। कैबिनेट मंत्री के अनुसार साबरमती नदी के किनारे रिवरफ्रंट डेवलप करने की जिम्मेदारी अहमदाबाद नगर निगम ने उठाई थी। निगम ने इस के लिए एक स्पेशल पर्पज व्हीकल बनाई और उसका नाम दिया साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

वेनेजुएला की 'गंध' कैसे होगी साफ, बताएगा भारत

- अंबानी की जामनगर रिफाइनरी से सीखेगा अमेरिका, रुबियो का दौरा शुरू



नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो बुधवार को गुजरात स्थित जामनगर में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स के दौर पर हैं। इस दौरान वे रिलायंस के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी से भी मिलने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मार्को रुबियो रिलायंस के साथ

वेनेजुएला का कच्चा तेल रिफाइन करने पर बातचीत करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सस में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी। खास बात यह है कि जामनगर रिफाइनरी भी

वेनेजुएला से आया हुआ कच्चा तेल भी साफ करती है, जो बेहद खराब कूड़ ऑयल माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका के टेक्सस में एक ऑइल रिफाइनरी में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी।



अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पुलिस बलों को मिलकर काम करना होगा।

- शाह बोले-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने लंबे समय से चली आ रही तीन बड़ी चुनौतियों- कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में अब शांति है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रयासों की सराहना की। शाह ने नशे के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की

रुबियो का जामनगर दौरा 3 वजहों से अहम

अमेरिका में डीजल की कीमतें 6 डॉलर प्रति गैलन के पार हैं, यानी करीब 155 रुपए प्रति लीटर। इसके चलते ट्रक ड्राइवर, किसान और माल दुर्गाई कारोबारी परेशान हैं। ट्रम्प सरकार चाहती है कि 3 नवंबर को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन से पहले अमेरिका में पर्याप्त डीजल सप्लाई हो सके। इसलिए अमेरिका रूस से डीजल खरीद रहा है। रिलायंस भी सस्ती कीमतों में कच्चा तेल रिफाइन करके अमेरिका को पेट्रोल-डीजल बेच सकता है, जिससे अमेरिका फ्यूल क्राइसिस से बच सके। जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद से अमेरिकी सरकार ही विदेशों में वेनेजुएला का तेल बेच रही है। रिलायंस वेनेजुएला के सबसे बड़े तेल खरीदारों में से एक है। ग्लोबल ट्रेड

इंटेलिजेंस फर्म के मुताबिक, सितंबर में भारत ने वेनेजुएला से रोजाना 2.57 लाख बैरल तेल मंगाया। इसका 76 फीसदी हिस्सा रिलायंस ने खरीदा। अमेरिका चाहता है कि रिलायंस वेनेजुएला से और ज्यादा तेल खरीदे। क्योंकि अमेरिका कई बार कह चुका है कि भारत वेनेजुएला से तेल खरीदे। हालांकि सरकारी तेल कंपनियों ने ऐसा नहीं किया। रिलायंस अमेरिका के टेक्सस राज्य में एक नई रिफाइनरी खोल रही है, जो 50 साल में अमेरिका में बनने वाली पहली रिफाइनरी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मार्च 2026 में इसे 300 अरब डॉलर का सौदा बताया था। अमेरिका चाहता है कि ये निवेश जल्द से जल्द हो। रिलायंस के मुताबिक, जामनगर रिफाइनरी एक ही जगह पर बनी दुनिया की सबसे बड़ी और आधुनिक रिफाइनरी है। यहां हर दिन 14 लाख बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस करने की क्षमता है।



विभाग से मान्यता प्राप्त करने या मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मंदरसों को विभागीय मानकों और निर्धारित शैक्षिक व्यवस्था का पालन करना होगा। इसी क्रम में शुक्रवार की छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मंदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। उन मंदरसों को भी ये नियम फॉलो करना होगा जो शिक्षा विभाग से मान्यता लेने की प्रक्रिया में हैं। प्राधिकरण का कहना है कि इसका उद्देश्य मंदरसा शिक्षा को निर्धारित शैक्षिक मानकों के अनुरूप लाते हुए विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना है। प्रदेश में 76 मंदरसों को शिक्षा विभाग से मान्यता मिल चुकी है। इसमें हरिद्वार के 270 में से 44, ऊधमसिंह नगर के 119 में से 24, देहरादून के 41 में से छह, नैनीताल के 18 में से दो मंदरसों को शिक्षा विभाग की ओर से मान्यता दी जा चुकी है।

बिहार एमएलसी चुनाव में पटना बनी हॉट सीट

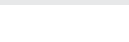
दिग्गजों की अग्निपरीक्षा, दांव पर निशांत-सम्राट-तेजस्वी-पीके की प्रतिष्ठा



पटना (एजेंसी)। बिहार में हो रहे एमएलसी चुनाव में विशेषकर पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का इलेक्शन कई लोगों की प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। वैसे तो सामूहिक रूप से प्रतिष्ठा सत्ता पक्ष से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेज

प्रताप की तो बनती ही है। मगर, पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर विशेष प्रतिष्ठा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत और जनसुराज के नायक प्रशांत किशोर की जुड़ गई है।

राजद सुप्रीमो लालू यादव की भी प्रतिष्ठा दांव पर- इस एमएलसी चुनाव में पटना स्नातक और पटना शिक्षक क्षेत्र की महत्ता इस बात से समझ सकते हैं कि इस चुनावी जंग में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी उतर गए हैं। अपरोक्ष रूप से तो वे अन्य उम्मीदवारों के लिए वोट मांग ही रहे हैं, मगर पटना स्नातक और पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए खुलकर सामने आकर बंटिंग करने लगे हैं। राजद सूत्रों की माने तो घर से बैठे-बैठे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने पटना, नालंदा और नवादा जिले के सीनियर नेताओं को फोन कर स्नातक से दिलीप पटेल को शिक्षक क्षेत्र से और डॉ संजीव कुमार को वोट करने की अपील कर रहे हैं।



एसबीआई पर साइबर

हमला : हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई। भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है। लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रांच और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को शेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिसर्प्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में, 3,897 इस्तारह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी।

सौरव और रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने पर फैसला सुरक्षित, पुलिस ने तीन दिन की अतिरिक्त हिरासत मांगी



नई दिल्ली। सीजेपी के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की माग पर बुधवार को एसईएम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। पुलिस ने दोनों की न्यायिक हिरासत तीन दिन और बढ़ाने की मांग की। अदालत ने इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि दोनों नेताओं को 13 अक्टूबर को हिरासत में लिया गया था और 14 अक्टूबर को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद 19 अक्टूबर को हुई सुनवाई में अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी थी। अब पुलिस ने एक बार फिर हिरासत बढ़ाने की मांग की है। इससे पहले सौरव दास और आशुतोष रांका ने एसईएम की ओर से न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने के फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान जब अदालत को बताया गया कि दोनों की उम्र क्रमशः 27 और 31 वर्ष है, तो न्यायाधीश ने टिप्पणी की, इसका मतलब है कि आप जेन-जी नहीं हैं।

जम्मू में नशा तस्करों पर शिकजा कसेगी पुलिस, सुरक्षा ग्रिड होगा मजबूत : आईजीपी सिंह

जम्मू । जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) तेजिंदर सिंह ने कहा कि पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ अपने अभियान को तेज करेगी और सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करेगी। आईजीपी सिंह ने यह बात पुलिस स्मृति दिवस’ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में परेड की सलामी के दौरान कही। आईजीपी सिंह ने पुलिसिंग के महत्व पर जोर देकर कहा कि जरूरी है कि पुलिस का अपने अधिकार क्षेत्र में प्रभाव और उपस्थिति स्पष्ट रूप से नजर आए। उन्होंने कहा, ‘‘सुरक्षा के दृष्टिकोण से, चाहे वह सीमा हो, नियंत्रण रेखा (एलओसी) हो या आंतरिक सुरक्षा का पहलू हो, हम सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने तथा शानि-सौहार्द बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करने वाले हैं। आईजी ने मादक पदार्थ रोधी अभियान के बारे में कहा कि संपत्तियों को जब्त करने और बरामदगी करने से जुड़ी मुहिम लगातार जारी है तथा हाल में कुछ अतिरिक्त बरामदगियां भी की गई हैं।

केंद्रीयमंत्री शाह की भीष्म प्रतिज्ञा : 31 दिसंबर 2029 तक भारत होगा नशा मुक्त

नेशनल पुलिस मेमोरियल बनवा कर पीएम मोदी ने दिया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए 31 दिसंबर 2029 तक भारत को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने सभी राज्यों और सुरक्षा एजेंसियों से व्यापक अभियान में एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद देशवासियों और सुरक्षा बलों को संबोधित कर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों की समस्या देश के विकास को बाधित कर सकती है और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डाल सकती है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय ने अगले साढ़े तीन वर्षों (2026 के शेष, 2027, 2028 और 2029) के भीतर नशे के खिलाफ एक एकीकृत अभियान चलाने का संकल्प लिया है।

इस मौके पर, भाजपा नेता ने देश की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बहादुर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में जवानों की वीरता,

रिजिजू का तीखा हमला-सपा बात कर सकती है तो कांग्रेस क्यों नहीं?

–महिला आरक्षण, परिसीमन को लेकर राहुल पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिंजिजू ने महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कांग्रेस और विशेषकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर सरकार के साथ बातचीत न करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद को धोखा दे रही है, क्योंकि वह सरकार के साथ चर्चा करने के लिए आगे नहीं आ रही है। रिंजिजू ने दावा किया कि सरकार ने कांग्रेस को 10 से अधिक बार बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को तीन पत्र लिखे हैं और राहुल गांधी से भी व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें चर्चा के लिए बुलाया है। मंत्री ने हैरानी जताई कि समाजवादी पार्टी, डीएमके, वाईएसआरसीपी, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी जैसे अन्य विपक्षी दल सरकार के साथ बातचीत कर अपनी चिंताएं सामने रख चुके हैं, लेकिन कांग्रेस ऐसा करने को तैयार नहीं है। रिंजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी इच्छा और योजना के मुताबिक सदन चलाना चाहती है और राहुल गांधी महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को पारित करने की राह में बाधा डाल रहे हैं। एक साक्षात्कार में, रिंजिजू ने यह भी संकेत दिया कि मल्लिकार्जुन खरगे व्यक्तिगत बातचीत में इस मुद्दे पर अधिक सहमत हो सकते हैं, अगर वे राहुल गांधी के प्रभाव से बाहर आएँ। उन्होंने राहुल गांधी के रवये की आलोचना करते हुए कहा कि यदि वह इस मुद्दे को गंभीरता से समझते, तो इसका विरोध नहीं करते। परिसीमन पर विपक्षी दलों की चिंताओं पर रिंजिजू ने बताया कि बीजू जनता दल और डीएमके सहित कुछ दलों ने यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि प्रक्रिया में सभी राज्यों को समान रूप से लाभ मिले और लोकसभा में किसी भी राज्य की सीटों का मौजूदा आनुपातिक हिस्सा कम न हो। रिंजिजू ने कहा कि सरकार ने प्रतिबद्धता जताई है कि किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी और सभी राज्यों को आनुपातिक रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने जोर दिया कि 1971 में हुए पिछले परिसीमन के बाद से देश की आबादी में काफी वृद्धि हुई है, ऐसे में लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है। संसद के मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त न किए जाने के विवाद पर रिंजिजू ने कहा कि यह संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं है और पहले भी ऐसे उदाहरण रहे हैं। उन्होंने विपक्षी आशंकाओं को खारिज किया कि इसका संबंध किसी विशेष सत्र बुलाने से है।

सीएम भगवंत मान को एयरपोर्ट पर क्यों रोका गया, जल्द दिया जाए स्पष्टीकरण: उदित राज

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस नेता उदित राज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पेरिस से लौटते समय दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लेने के आम आदमी पार्टी (आप) के दावों पर त्वरित और उचित स्पष्टीकरण की मांग की है।

उन्होंने पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा कि जब तक सीएम मान को रोकने के कारणों को स्पष्ट नहीं किया जाएगा, तब तक स्वेच्छा का पता नहीं चलेगा। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि जिस तरह से एक के बाद एक लोगों को टारगेट किया जा रहा है, वह देश के लिए सही नहीं है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को दिल्ली



अनुशासन और संयम की सराहना की। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि देश अभी भी कई चुनौतियों से मुक्त नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस बल ने कई दशकों पुरानी समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत को नक्सलवाद से मुक्त करने में पुलिसकर्मियों के प्रयासों की सराहना की और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) तथा राज्य पुलिस बलों द्वारा लोकतंत्र की रक्षा में निभाई गई अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने हाल

ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों का उदाहरण दिया, जहां पहली बार चुनाव से जुड़ी हिंसा में किसी की जान नहीं गई। उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी चुनाव हिंसा को समाप्त करने में पुलिस की भूमिका का उल्लेख किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने, पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने और नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह खत्म करने में मिली सफलताओं का जिक्र किया, जिन्हें दशकों से आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां माना जाता था। उन्होंने 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेशनल पुलिस मेमोरियल के उद्घाटन की सराहना की, जो कि शहीद पुलिसकर्मियों को सम्मान देने और उनके बलिदानों से प्रेरणा लेने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आजादी के करीब आठ दशकों में भारत ने वैश्विक मंच पर जो सम्मानजनक स्थान हासिल किया है, उसकी नींव में हमारे बहादुर जवानों का बलिदान है। उन्होंने कहा कि इन वीर पुरुषों और महिलाओं ने अपनी आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के लिए सर्वोत्तम बलिदान न दिया होता, तब देश आज इस मुकाम पर नहीं होता।

हरिद्वार में जल जीवन मिशन की योजनाओं की समीक्षा, 15 दिन तक पेयजल योजनाओं का परीक्षण कराने के निर्देश



हरिद्वार (शिखर समाचार)। केंद्रीय जल शक्ति एवं रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने हरिद्वार के भ्रमण के दौरान बहादुराबाद स्थित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई और जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित सुल्तानपुर माजरी पेयजल योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, कार्यप्रणाली और रखरखाव की जानकारी लेते हुए पेयजल योजनाओं को शत-प्रतिशत पूरा करने तथा उनके सुचारू संचालन के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर पेयजल की गुणवत्ता, उपलब्धता और आपूर्ति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। बहादुराबाद स्थित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई के निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री ने स्वजल और जिला पंचायत विभाग के अधिकारियों से कूड़े के पृथक्करण, प्रसंस्करण और निस्सारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्वच्छता को प्रभावी बनाने और अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने

राहत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त सचिव डी. सेंथिल पांडियन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवनिर्मित पेयजल योजनाओं को विभागीय स्तर पर 15 दिनों

उपभोक्ताओं से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल की उपलब्धता और गुणवत्ता के बारे में जानकारी लेते हुए योजना के संरक्षण, संचालन और रखरखाव में सामुदायिक भागीदारी को आवश्यकता बताई। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल योजनाओं का संचालन करने वाले कर्मचारियों और ग्राम स्तर पर गठित पेयजल एवं स्वच्छता समितियों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को लगातार मिलता रहे।

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संयुक्त सचिव डी. सेंथिल पांडियन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवनिर्मित पेयजल योजनाओं को विभागीय स्तर पर 15 दिनों

दशहरा पर कॉंकरोच का पुतला जलाने पर आप नेता सौरभ ने की शिकायत दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पीतमपुरा में रामलीला के आयोजकों के खिलाफ एलजी और दिल्ली पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि कॉंकरोच का पुतला जलाए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अपनी शिकायत में भारद्वाज ने श्रीकेशव रामलीला कमेटी के आयोजकों दिल्ली के मंत्री और



कमेटी के सदस्य कपिल मिश्रा जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भी थे और अन्य आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि कॉंकरोच के पुतले से प्रभावित होने वाले लोग किसी की राजनीति के दीमक हैं। दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी इलाके में मंगलवार को दशहरा समारोह के दौरान रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ कॉंकरोच के 30 फुट ऊंचे पुतलों का भी दहन किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों के बाद कॉंकरोच का पुतला जलाए जाने के कार्यक्रम ने ध्यान आकर्षित किया है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि कॉंकरोच का पुतला जलाने का उद्देश्य गंदगी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपनी शिकायत में कहा कि पारंपरिक पुतलों के साथ कॉंकरोच का पुतला जलाने के आयोजकों के फैसले से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया मंचों से इससे संबंधित तस्वीरें, वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री को हटाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

विश्व विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने गंगाजली भेंटकर केंद्रीय राज्य मंत्री का स्वागत किया और निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जल जीवन मिशन की प्रबंध निदेशक एवं अपर सचिव झरना कमठान, राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की हिमाली जोशी, जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी महेश विश्नोई, पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता राजेश गुप्ता, जल संस्थान के विपिन चौहान, उप जिलाधिकारी योगेश मिश्रा, खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल, स्वजल के परियोजना प्रबंधक चन्द्रकांत मणि त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

कॉंकरोच का पुतला जलाने पर आप नेता सौरभ ने की शिकायत दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पीतमपुरा में रामलीला के आयोजकों के खिलाफ एलजी और दिल्ली पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि कॉंकरोच का पुतला जलाए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अपनी शिकायत में भारद्वाज ने श्रीकेशव रामलीला कमेटी के आयोजकों दिल्ली के मंत्री और कमेटी के सदस्य कपिल मिश्रा जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भी थे और अन्य आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि कॉंकरोच के पुतले से प्रभावित होने वाले लोग किसी की राजनीति के दीमक हैं। दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी इलाके में मंगलवार को दशहरा समारोह के दौरान रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ कॉंकरोच के 30 फुट ऊंचे पुतलों का भी दहन किया गया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों के बाद कॉंकरोच का पुतला जलाए जाने के कार्यक्रम ने ध्यान आकर्षित किया है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि कॉंकरोच का पुतला जलाने का उद्देश्य गंदगी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। वहीं आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपनी शिकायत में कहा कि पारंपरिक पुतलों के साथ कॉंकरोच का पुतला जलाने के आयोजकों के फैसले से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया मंचों से इससे संबंधित तस्वीरें, वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री को हटाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई तो वह कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

कॉंकरोच का पुतला जलाने पर आप नेता सौरभ ने की शिकायत दर्ज करने की मांग

कुंभ-2027 की तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश, गंगा नहर बंदी में दिन-रात होंगे घाटों के काम

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए मेला प्रशासन ने निर्माण कार्यों की निगरानी तेज कर दी है। गंगा नहर बंदी की अवधि का अधिकतम उपयोग करते हुए घाटों के निर्माण और अनुरक्षण सहित कुंभ क्षेत्र के मुख्य हिस्सों में चल रहे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। मेलाधिकारी सोनिका ने बुधवार को मेला नियंत्रण भवन के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की और सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे करने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ क्षेत्र के मुख्य हिस्सों में चल रहे कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। निर्माण की गति बनाए रखने के साथ गुणवत्ता और आवश्यक संसाधनों

की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने उत्तराखंड अवस्थापना विकास एवं निवेश बोर्ड (युआईआईडीबी) की हरकी पैड़ी और रोड़ी बेलवाला पुनर्विकास योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों के साथ हरकी पैड़ी, मालवीय द्वीप और सुभाष घाट पर निर्माण एवं अनुरक्षण कार्यों को गंगा नहर बंदी के दौरान तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घाटों पर कार्य दिन-रात संचालित किए जाएं और श्रमिकों, मशीनों तथा अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सोनिका ने मेला प्रशासन और संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से कार्यस्थलों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा करने को कहा। जिला स्तर पर नियुक्त अधिकारियों के साथ तृतीय पक्ष गुणवत्ता जांच



एजेंसी को भी लगातार निरीक्षण और परीक्षण करने के निर्देश दिए गए, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आई ट्रिपल-सी) के लिए भूमिगत केबल बिछाने के कार्यों को भी नहर बंदी की अवधि में

के साथ अस्थायी व्यवस्थाओं और आई ट्रिपल-सी से जुड़े कार्यों की भी प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि जहां काम की गति धीमी मिले या श्रमिकों और संसाधनों की कमी सामने आए, वहां तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। बैठक में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव प्रत्युष सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (संचार) विपिन कुमार, क्षेत्राधिकारी कुंभ उमेश मलिक, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, अधीक्षण अभियंता तकनीकी प्रकोष्ठ मनोज कुमार भट्ट, अधीक्षण अभियंता सिंचाई एवं महाप्रबंधक यूपीसीडीसीसी मनोज कुमार सिंह तथा अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग डीपी सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिंदे का उद्धव पर हमला... चुनाव न लड़ते हुए पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री बन गए

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना की दशहरा रैली को संबोधित कर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना यूबीटी नेता और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद हुए गठबंधन को ‘जनदाश की डकैती’ करार देकर आरोप लगाया कि उद्धव ने चुनाव न लड़ते हुए पिछले दरवाजे से मुख्यमंत्री का पद हथियाया, जो मतदाताओं के साथ सबसे बड़ा धोखा था। उप मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, ‘‘आपने चुनाव भी नहीं लड़ा था, आप पिछले दरवाजे से आए और मुख्यमंत्री बन गए। यह जनदेश के खिलाफ एक बड़ी डकैती थी।’’

उप मुख्यमंत्री शिंदे ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाकर कहा कि जब तेलंगाना, कर्नाटक या हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव जीतते हैं, तब उन्हें ईवीएम या ‘वोट चोरी’ की याद नहीं आती, लेकिन हारने पर बेबुनियाद आरोप लगाना उनकी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि असल ‘वोट चोरी’ 2019 में हुई

थी, जब अविभाजित शिवसेना ने कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर महााष्ट्र में सरकार बनाई। विपक्षी ‘ईंडिया’ गठबंधन ने शिवाना साधकर डिण्टी सीएम शिंदे ने उस दस सिरों वाले राक्षस राजा रावण जैसा बताया और आह्वान किया कि इसका पुतला जलाया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस को 70 वर्षों तक देश को लूटने और ‘बूथ कैप्चरिंग’ के माध्यम से चुनाव जीतने का दोषी ठहराया। डिण्टी सीएम शिंदे ने कहा कि विपक्ष डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए नहीं लड़ा था, आप पिछले दरवाजे से आए और मुख्यमंत्री बन गए। यह जनदेश के खिलाफ एक बड़ी डकैती थी।’’

सविधान को कमजोर करना चाहता है और उसकी यह ‘रोज की नई नौटंकी’ है। किसानों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताकर डिण्टी सीएम शिंदे ने घोषणा की कि सूखे और पानी की कमी से जूझ रहे किसानों के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बताया कि दिवाली मनाने में मदद के लिए प्रभावित किसानों को 100 टन अनाज भेजा गया है। डिण्टी सीएम शिंदे ने स्पष्ट किया कि वह केवल भाषण देने के बजाय जमीनी स्तर पर काम करने में विश्वास रखते हैं।



गाजिजाबाद नगर निगम

(I.S.O. 14001, 18001 एवं 9001 प्रमाणित संस्था)

ई-टेंडर निविदा सूचना

गाजिजाबाद नगर निगम द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्रियारमैनेज की वेबसाइट पर <http://tender.up.nic.in> से प्राप्त किया जा सकता है, उत्तर निविदा हेतु 07/11/2024 शर्त की धारोदध धारोशिव एवं निविदा शुल्क (नॉन रिफंडेबल) वेबसाइट पर <http://tender.up.nic.in> पर उभा काना अनिवार्य होगा।

एस्पेसिफिकेशन/फर्म जो नगर निगम गाजिजाबाद में पंजीकृत नहीं हैं, के लिए निविदा संख्या-3890/15-59-149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के आलोक में वेबसाइट को चरित्र प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, विमान काना के अनुभव प्रमाण पत्र आदी एस्पे.टी. नम्बर वेबसाइट पर आपलोड काना आशरक होगा।

विस्तृत निविदा सूचना/नियम व शर्तें <http://tender.up.nic.in> पर देखी जा सकती हैं।

मुख्य अभियन्ता, गाजिजाबाद नगर निगम

दिनांक: 21.10.2024

संक्षिप्त

समाचार

भाई पर मारपीट का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, एजेंसी। मायके रह रही महिला ने अपने भाई पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मोहल्ला सुनगढ़ी निवासी दीपमाला ने बताया कि पिछले सात वर्षों से अपने मायके में रह रही है। आरोप है कि 19 अक्तूबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे उसका भाई ललित वर्मा घर पर आया। मायके में रहने को लेकर विवाद करने लगा। विरोध पर भाई ने उसकी पिटाई कर दी। हाथ में पहने कड़े से सिर वार कर दिया। इससे वह लहलुहान हो गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ अमरनाथ वर्मा ने बताया कि जांच की जा रही है।

राजनगर, लालकुआं इलाके में दो घंटे बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

गाजियाबाद, एजेंसी। कारोबार प्लान-2025-26 के अंतर्गत होने वाले कार्य की वजह से विद्युत उपकेंद्र राजनगर-1 और 2 व लालकुआं-1 उपकेंद्र से पोषित होने वाले इलाके में आज यानी 21 अक्तूबर को दिन में दो घंटे आपूर्ति बाधित रहेगी। इन इलाकों में करीब डेढ़ लाख की आबादी है। इनको दो घंटे तक बिना बिजली के रहना पड़ेगा। बिजली संबंधी कार्य समय से निपटाने के लिए ऊर्जा निगम की ओर से उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना भेजी गई है। ऊर्जा निगम जोन एक के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि राजनगर फीडर एक के अंतर्गत आने वाले इलाके में दोपहर एक से तीन बजे, राजनगर दो फीडर से पोषित होने वाली लाइन 11 से एक बजे तक बंद रहेगी। इसके अलावा लालकुआं-1 से पोषित होने वाले एक फीडर को ढाई से साढ़े चार बजे तक और दूसरे फीडर को एक से तीन बजे तक बंद किया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील है कि वह व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए किए जा रहे इस कार्य में ऊर्जा निगम का सहयोग करें।

डांडिया उत्सव में झूमूं महिलाएं, दिखा उल्लास

अलीगढ़ , एजेंसी। नवरात्र के अंतिम दिन मंगलवार को शहर में डांडिया महोत्सव की धूम रही। सासनी गेट स्थित स्काई टावर में आयोजित डांडिया कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रंग-बिरंगी रोशनी और संगीत के बीच डांडिया से माहौल उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम में सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा। आयोजन में प्रिंसी वार्पणैय, इशू आर्य, रजनी वार्पणैय, संदेश यादव, अंजना भीतिका, वंदना माहेश्वरी, आकांक्षा जैन, गुजन वार्पणैय, पूजा जैन, गुंजन शर्मा, नूतन यादव आदि का सहयोग रहा। अचलताल स्थित चिताहरण देवी मंदिर में भी नवरात्र के अवसर पर डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। मंदिर की सेवादार रोलजा शर्मा के संयोजन में माता के भजन गाए गए। शाम को महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में डांडिया खेलकर उत्सव का आनंद लिया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और झालरों से सजाया गया था।

11वें दिन भी जारी रहा किसानों का धरना

अलीगढ़ , एजेंसी। किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर यूनियन का ब्लॉक परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को 11वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने शासन-प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए मांगों के समाधान की मांग की। धरने में दूर-दराज से पहुंचे किसानों और मजदूरों ने कहा कि लगातार आंदोलन के बावजूद उनकी समस्याओं का निस्तारण नहीं हुआ है। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने इस बार विजयदशमी नहीं मनाई। किसानों ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

हाथरस के जुड़वा भाइयों की राजस्थान में गला रेतकर हत्या

23 हाथरस एजेंसी। सादाबाद के गांव सरोट मनसा के रहने वाले 13 वर्ष के दो जुड़वा भाइयों विनय और विष्णु चौधरी की राजस्थान के डीग जिले में मंगलवार सुबह बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों पिछले कुछ वर्षों से मां के साथ डीग के बड़ेसरा गांव स्थित अपने ननिहाल में रह रहे थे। उनके निवास से कुछ दूरी पर खाली प्लॉट में दोनों के लहलुहान शव मिले। सिर में गंभीर चोट थी और गला रेता गया था। पुलिस एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

के दौरान परिसर से करीब 10 टन कूड़ा एकत्र किया गया, जबकि पटेलनगर, हिंदू नेशनल इंटर कॉलेज, रेसकोर्स सहित अन्य स्थानों से लगभग 30 टन कूड़ा उठाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों और बाजारों में नियमित सफाई के साथ लोगों को कूड़े के उचित निस्तारण के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि दीपावली से राज्य स्थापना दिवस तक जनपद में लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख स्थानों की सफाई पर विशेष ध्यान

शामली के किसान दिवस में समस्याओं की झड़ी, 11 साल से ग्रामीणों को नहीं मिला टंकी का पानी



शामली (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें किसानों ने पेयजल संकट, गन्ना भुगतान में देरी, बिजली कटौती, नलकूपों में चोरी, जर्जर बिजली तारों, नहरों की सफाई और भूमि के अभिलेखों में अंश निर्धारण सहित कई समस्याएं उठाईं। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कुड़ाना निवासी ऋषिपाल सिंह ने

शिकायत की कि गांव में पिछले 11 वर्षों से पानी की टंकी से पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है। डांगरोल निवासी राजन जावला ने आजादपुर पानी की टंकी से जलापूर्ति शुरू कराने और गांव में खराब बिजली के खंभे बदलवाने की मांग की। नाला निवासी सुनील पंवार ने नहर की पटरी की सफाई, गांव के आयुष्मान केंद्र पर स्वास्थ्यकर्मों की तैनाती और एलम बाईपास पर गोल चक्कर बनवाने का मुद्दा उठाया। भैंसवाली निवासी हरीश चौधरी ने भैंसवाल गांव में जल निगम की पाइपलाइन से पानी नहीं मिलने, खेतों से गुजर रहे जर्जर बिजली तारों और मेरठ से शामली के लिए शाम के

समय नियमित बस सेवा शुरू कराने की मांग की। कुड़ाना निवासी दुष्यंत मलिक ने कृष्णा नदी में जगह-जगह बांध बनाए जाने से पानी रुकने और जल व भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होने की शिकायत करते हुए बांध खुलवाने की मांग रखी। चुनसा निवासी विदेश मलिक ने ग्रामीणों क्षेत्रों में करीब 50 ट्रांसफार्मरों और नलकूपों से चोरी की घटनाओं का मुद्दा उठाया। सुबोध पंवार ने भी नलकूपों में चोरी और रात में बिजली आपूर्ति नहीं होने की समस्या बताई। गन्ना किसानों ने बकाया भुगतान का मुद्दा उठाते हुए थानाभवन चीनी मिल से भुगतान कराने की मांग की। भैंसवाल निवासी अमरदीप पंवार ने

गोहरनी बाईपास पर गोल चक्कर बनवाने की मांग की, जबकि पिंडौरा निवासी अजय ने खतौनी में अंश निर्धारण और चीनी मिल की छई से जुड़ी समस्या अधिकारियों के सामने रखी। जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने पिछले किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों को किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और किसान मौजूद रहे।

दिवाली पर घर जाना सस्ता, वापसी के लिए चुकाने होंगे मारी दाम, पहले से टिकट बुकिंग करा रहे हैं यात्री

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में दिवाली पर घर पहुंचने की जल्दबाजी के बीच हवाई किरायों में उतार-चढ़ाव शुरू हो गया है। छह नवंबर को धनतेरस, सात को छेटी दिवाली और आठ नवंबर को बड़ी दिवाली के महेनजर यात्री 15 दिन पहले से टिकट बुक करा रहे हैं। टिकटों की उपलब्धता घटने और किराया बढ़ने के कारण बुकिंग तेज हो गई है। दिवाली के आसपास कई उड़ानों की सीटें लगभग फुल हो रही हैं। कानपुर से दिल्ली का किराया छह, सात और आठ नवंबर को 5,184 से 5,499 रुपये रहेगा, जबकि नौ नवंबर को 6,129 और 10 नवंबर से अगले कुछ दिनों तक 12,114 रुपये हो जाएगा। दिल्ली से कानपुर का किराया छह से आठ नवंबर तक 12,437 रुपये है। कानपुर से मुंबई का किराया छह से नौ नवंबर तक 7,475 से 8,278 रुपये रहेगा। 10 नवंबर को यह 20,694 और एक नवंबर को 21,088 रुपये बताया गया है। मुंबई से कानपुर का किराया छह से आठ नवंबर तक 21,968 रुपये रहेगा। कानपुर से बंगलुरु का किराया छह से आठ नवंबर तक 9,177 से 9,446 रुपये और 10 नवंबर से 14,343 रुपये होगा। बंगलुरु से कानपुर का किराया छह नवंबर को 22,378, सात को 28,230 और आठ को 20,488 रुपये है। एयरपोर्ट अधिकारी डॉ. प्रदीप यादव के मुताबिक, त्योहार पर किराये में उतार-चढ़ाव होता है और यात्री पहले से बुकिंग करा रहे हैं। कानपुर से दिल्ली-मुंबई की उड़ानें रोजाना, जबकि बंगलुरु की उड़ानें सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को उपलब्ध हैं।

छर्छा और गभाना में निकाला पथ संचलन

अलीगढ़ , एजेंसी। छर्छा/ गभाना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस और विजयादशमी उत्सव पर मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर में शस्त्र पूजन किया गया। इसके बाद नगर में पथ संचलन निकाला गया। मुख्य वक्ता जिला कार्यवाह डॉ. रामकरण ने संघ की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला। इस दौरान विधायक रवेन्द्रपाल सिंह, राहुल पुंडीर, सचिन गर्ग, नाथूराम राजपूत, रघु प्रकाश गुप्ता, लालू महाजन, अभिनव माहेश्वरी, धीरेन्द्र गुप्ता, गौरव गुप्ता, हिमांशु माहेश्वरी, मदनलाल और अजय मिश्रा मौजूद रहे।



दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एकत्रित कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाए। जैव अपघटनीय और गैर-जैव अपघटनीय कूड़े को अलग-अलग श्रेणियों में रखकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारित किया जाए, जिससे पर्यावरण पर पड़ने वाले

दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निगम देहरादून और ऋषिकेश सहित संबंधित नगर निकायों के सहयोग से योजनाबद्ध तरीके से अभियान संचालित किया जाएगा। रिस्पना नदी सहित अन्य चिह्नित स्थानों पर भी सफाई अभियान चलाया जाएगा।

एमडीडीए का बड़ा एक्शन, पांच स्थानों पर सीलिंग; आवासीय कॉलोनियों में अवैध कारोबार पर चला डंडा

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में प्राधिकरण की सख्ती

देहरादून (शिखर समाचार)। राजधानी देहरादून में अवैध निर्माण और आवासीय कॉलोनियों में अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने सख्त रुख अपनते हुए पांच मामलों में सीलिंग की कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में अभियान चलाकर बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण करने, स्वीकृत नक्शे के विपरीत भवनों में बदलाव करने और आवासीय परिसरों का व्यावसायिक उपयोग करने के मामलों में कार्रवाई की। एमडीडीए की इस कार्रवाई से नियमों की अनदेखी कर निर्माण और कारोबार संचालित करने वालों में हड़कंप मच गया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि शहर में सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने, आवासीय क्षेत्रों की मूल प्रकृति बनाए रखने और अनधिकृत निर्माणों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की गई।

इंजीनियर इन्क्लेव फेस-1 में तीन परिसरों पर कार्रवाई
एमडीडीए के प्रवर्तन अभियान के दौरान इंजीनियर इन्क्लेव फेस-1 में तीन मामलों में सीलिंग की गई। यहां आवासीय कॉलोनी के भीतर कृष्णा डेयरी के नाम से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित किए जाने पर प्राधिकरण की टीम ने संबंधित परिसर को सील कर दिया। इसी क्षेत्र में रोहित विशाल द्वारा आवासीय परिसर में व्यावसायिक दुकान संचालित किए जाने के मामले में भी कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त, एक अन्य आवासीय परिसर में बिना आवश्यक स्वीकृति परिवर्तन और परिवर्धन कर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित किए जाने का मामला सामने आया, जिस पर एमडीडीए ने सीलिंग की कार्रवाई की। प्राधिकरण के अनुसार, आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग निर्धारित नियमों और अनुमतियों के अनुरूप ही किया जा सकता है। नियमों के विपरीत भवनों का उपयोग किए जाने पर



संबंधित पक्ष के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ईस्ट होप टाउन में बिना नक्शे बनाई जा रही छुट्टानें

प्राधिकरण की टीम ने ईस्ट होप टाउन के लक्ष्मीपुर, प्रेमनगर क्षेत्र में भी कार्रवाई की। यहां मयूर द्वारा प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना दो व्यावसायिक दुकानों का निर्माण किया जा रहा था। जांच में निर्माण को नियमों के विपरीत पाए जाने पर टीम ने मौके पर पहुंचकर संबंधित निर्माण को सील कर दिया। एमडीडीए ने स्पष्ट किया कि भवन निर्माण शुरू करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया के तहत मानचित्र स्वीकृत करना और संबंधित निर्माण नियमों का पालन करना अनिवार्य है। बिना अनुमति व्यावसायिक निर्माण करने से न केवल नियोजन व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि क्षेत्र की निर्धारित भू-उपयोग व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ऐसे मामलों में प्राधिकरण द्वारा सख्त कदम उठाए जाएंगे।

महिमा इन्क्लेव में हॉस्टल निर्माण सील

एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने महिमा इन्क्लेव, लेन नंबर-2, केहरी गांव में भी कार्रवाई करते हुए हॉस्टल निर्माण को सील किया। प्राधिकरण के अनुसार, यहां कुन्दन सिंह द्वारा स्टिल्ट सहित तीन तलों पर हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा था। जांच के दौरान स्वीकृत मानचित्र से विचलन

और भवन के उपयोग में बदलाव किए जाने का मामला सामने आया। इसके बाद संबंधित निर्माण के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण का कहना है कि स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण करना और भवन के निर्धारित उपयोग में बिना अनुमति बदलाव करना नियमों का उल्लंघन है। भवन स्वामियों को निर्माण के दौरान स्वीकृत मानचित्र और निर्धारित मानकों का पालन करना चाहिए, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

बंशीधर तिवारी बोले नियमों की अनदेखी करने वालों पर होगी सख्ती

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और भू-उपयोग के अनुरूप ही निर्माण और संचालन करना चाहिए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित पक्ष के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रवर्तन टीमों को क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने और अनधिकृत निर्माण के मामलों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एमडीडीए की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि देहरादून में आवासीय परिसरों के व्यावसायिक दुरुपयोग और स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण के मामलों पर प्राधिकरण की टीमों लगातार निगरानी कर रही हैं और शिकायतों के साथ-साथ स्थलीय निरीक्षण के आधार पर भी नियमानुसार कार्रवाई

एशियन पैरा गेम्स में सिमरन शर्मा ने 200 मीटर में स्वर्ण जीता, घर में जश्न

गाजियाबाद , एजेंसी। जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियन पैरा गेम्स-2026 में स्वर्ण जीतने की खबर आते ही मोदीनगर में जश्न का माहौल बन गया। कृष्णाकुंज कॉलोनी में सिमरन शर्मा के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया, परिवार ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। तिबड़ा मार्ग स्थित कृष्णाकुंज निवासी पैरा एथलीट सिमरन ने महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24.80 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। खास बात यह है कि ईरान की हाजर सफरजादेह के नाम भी इसी स्पर्धा में 24.80 सेकंड का रिकॉर्ड दर्ज था, जिसकी सिमरन ने बराबरी की। सिमरन ने फाइनल में शुरूआत से ही बढ़त बनाए रखी और पहले स्थान पर रहीं। उनकी इस जीत से पूरे मोदीनगर में खुशी की लहर है। मां सविता, भाई आकाश और भाभी निशा ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। परिजनों ने बताया कि सिमरन लगातार कड़ी



मेहनत कर रही हैं और उनका अगला लक्ष्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स-2028 में होने वाले पैरालंपिक गेम्स में स्वर्ण जीतना है। सिमरन पेरिस पैरालंपिक-2024 में कांस्य और हांगकॉउ एशियन पैरा गेम्स में रजत जीत चुकी हैं। इस बार स्वर्ण जीतकर उन्होंने नया मुकाम हासिल किया है। वहीं मुरादनगर के प्रदीप कुमार ने पुरुषों की भाला फेंक एफ54 श्रेणी में 27.45 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ श्रो कर रजत पदक जीता।

मुसल्लेपुर की आईडी से 100 से अधिक फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनने की आशंका

मुसल्लेपुर। तोफापुर ग्राम पंचायत की आईडी से 498 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी होने के बाद अब मंडी धनौरा ब्लॉक की मुसल्लेपुर ग्राम पंचायत की आईडी के दुरुपयोग की आशंका है। इस आईडी से आगरा के पते पर एक बच्चे का फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी हो चुका है। पंचायत सचिव राजीव कुमार के मुताबिक, प्रमाणपत्र जारी होने की जानकारी लखनऊ स्थित स्वास्थ्य विभाग से मिली थी। आईडी हैक होने की आशंका के चलते इससे 100 से अधिक फर्जी प्रमाणपत्र बनाए जाने का अनुमान है।

कवर ड्राइव अकादमी ने भीकमपुर को हराकर फाइनल में बनाई जगह

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ अंडर-16 नॉकआउट क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कवर ड्राइव अकादमी ने भीकमपुर एस्टेट क्रिकेट अकादमी को 64 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को अलीगढ़ स्पोर्ट्स सोसिएशन के महुआखड़ा स्थित मैदान पर खेले गए सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए कवर ड्राइव अकादमी ने 36.3 ओवर में 184 रन बनाए। कवर ड्राइव के ऋषभ वीके ने 41 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 48 रन बनाए। शौर्य और ओकासा चौधरी ने 36-36 रन का योगदान दिया। भीकमपुर की ओर से कृष्ण ठाकुर और अनंत प्रकाश ने दो-दो विकेट



लिए। 185 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भीकमपुर की टीम 26.3 ओवर में 120 रन पर सिमट गई। हर्षित राजपूत ने सर्वाधिक 36 रन और कप्तान मुदित कुमार ने 24 रन बनाए। कवर ड्राइव के अप्रिंत शर्मा व सोहराब बरकाती ने तीन-तीन विकेट लिए। अलीगढ़। सर सैयद

अहमद खान क्रिकेट सीरीज के आठवें मुकाबले में हमजाह क्रिकेट अकादमी ने द खान क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराकर जीत दर्ज की। अकादमी के मैदान पर खेले गए मुकाबले में रोहित ने चार विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया।

श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं और पूरा वातावरण "जय श्रीराम" के जयघोष से गुंज उठा।
आयोजन ने बताया कि हापुड़ में आयोजित यह महोत्सव हमारी सांस्कृतिक परंपरा और मयादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। इस भव्य आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को सत्य, धर्म, मयादा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिले, जो समाज के लिए एक बड़ा संदेश है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता:
आर्थिक ताकत, राष्ट्रीय हित और नई
वैश्विक संभावनाएं

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता केवल दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आयात-निर्यात की शतें तय करने का मामला नहीं है, बल्कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की आर्थिक भूमिका, रणनीतिक स्वायत्तता और भविष्य की विकास संभावनाओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। 21 अक्टूबर 2026 को इस दिशा में सामने आई चर्चाओं ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ओवेल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं। उन्होंने यह संकेत भी दिया कि प्रस्तावित समझौता पहले किए गए समझौतों से काफी अलग होगा। यह बयान उम्मीद जगाता है, लेकिन इसके साथ यह समझना भी आवश्यक है कि किसी समझौते की वास्तविक सफलता उसके घोषित होने से नहीं, बल्कि उसके शर्तों, पारदर्शिता और दोनों देशों के नागरिकों तथा कारोबारियों को मिलने वाले लाभ से तय होती है।

भारत और अमेरिका के आर्थिक संबंध पिछले कई वर्षों में व्यापक हुए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि निर्माण, रक्षा सहयोग, ऊर्जा, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेवा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण संभावनाएं मौजूद हैं। अमेरिका भारतीय उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार है, जबकि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए विशाल उपभोक्ता आधार, कुशल मानव संसाधन और तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में व्यापार समझौता दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को नई दिशा दे सकता है। हालांकि, दोनों देशों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। अमेरिका अपने उद्योगों के लिए अधिक बाजार पहुंच, निर्यात में वृद्धि और व्यापार असंतुलन को कम करने पर जोर देता रहा है, जबकि भारत अपने घरेलू उद्योगों, किसानों, छोटे कारोबारियों और रोजगार के अवसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। असली चुनौती इन हितों के बीच ऐसा संतुलन कायम करना है, जिससे किसी एक पक्ष को लाभ पहुंचाने के लिए दूसरे पक्ष की आर्थिक क्षमता कमजोर न हो। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि समझौता पहले हुए समझौतों से अलग होगा, अपने आप में ध्यान देने योग्य संकेत है। उनकी व्यापार नीति में शुल्क, बाजार पहुंच और द्विपक्षीय सौदेबाजी को विशेष महत्व दिया जाता रहा है। ऐसे वातावरण में भारत को किसी भी समझौते का मूल्यांकन भावनात्मक उत्साह के बजाय ठोस आर्थिक तथ्यों के आधार पर करना होगा। केवल यह खबर कि बातचीत अंतिम चरण में है, इस बात का प्रमाण नहीं है कि सभी विवादित मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। जब तक आधिकारिक दस्तावेज, शुल्क संबंधी प्रावधान, क्षेत्रवार रियायतें और लागू होने की समयसीमा सामने नहीं आती, तब तक किसी भी संभावित लाभ को अंतिम उपलब्धि मानना जल्दबाजी होगी। इस समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा की स्थिति होगी। वस्त्र, परिधान, चमड़ा, आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, औषधियां और विभिन्न विनिर्मित वस्तुएं भारत की निर्यात क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि भारतीय उत्पादों पर लगने वाले शुल्क कम होते हैं और कारोबार के नियम अधिक स्पष्ट बनते हैं, तो भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। इसका सकारात्मक प्रभाव उत्पादन, निवेश और रोजगार पर पड़ सकता है। विशेष रूप से छोटे तथा मध्यम उद्यमों को नए खरीदारों तक पहुंचने का अवसर मिल सकता है। लेकिन इसके लिए केवल शुल्क में राहत पर्याप्त नहीं होगी।



जेल में बंद गैंगस्टर का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क, आखिर किसका संरक्षण?



सनत जैन

गुजरात की साबरमती जेल की हार्ड सिख्योरिटी सेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिस्नोई का कथित अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क भारत की कानून-व्यवस्था, जेल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि जेल की चावदीवारी के भीतर बंद कोई अपराधी देश-विदेश में बैठे अपने गुणों के माध्यम से धमकियां दिला सकता है, सुपारी देकर हत्याओं की साजिश रच सकता है और फिल्मी सितारों को निशाना बनाने की योजना बना सकता है, तो सवाल केवल एक गैंगस्टर का नहीं, बल्कि पूरे सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता का है। फिल्म अभिनेता टाइगर श्राॅफ पर कथित हमले के बाद सामने

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: आर्थिक सहयोग, रणनीतिक साझेदारी और राष्ट्रीय हितों की कसौटी



सौरभ वर्णाय

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलते समीकरणों के बीच भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर सामने आए सकारात्मक संकेत दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का यह कहना कि समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अब कुछ ही मुद्दों पर काम बाकी है और जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है, इस दिशा में आगे बढ़ती बातचीत का संकेत देता है। हालांकि, किसी भी समझौते की वास्तविक सफलता केवल उसकी घोषणा या हस्ताक्षर से नहीं, बल्कि उससे मिलने वाले आर्थिक लाभ, व्यापारिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा से तय होती है। इसलिए भारत को इस समझौते की संभावनाओं के साथ-साथ उसकी चुनौतियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। भारत और अमेरिका के संबंध पिछले कुछ वर्षों में अनेक क्षेत्रों में विस्तारित हुए हैं। रक्षा, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, निवेश और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति जैसे विषयों पर दोनों देश लगातार सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में व्यापार समझौते को लेकर बनी सहमति की संभावना आर्थिक संबंधों को नई गति दे सकती है। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि भारत और अमेरिका की आर्थिक प्राथमिकताएं, औद्योगिक संरचना और घरेलू बाजार की आवश्यकताएं एक-दूसरे से अलग हैं। इसलिए समझौते की दिशा में आगे बढ़ते हुए दोनों पक्षों को ऐसा संतुलन बनाना होगा, जिससे सहयोग बढ़े और किसी एक देश के हित दूसरे की कीमत पर प्रभावित न हों। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान संकेत दिया कि भारत और

आई जानकारियों में आमिर खान, सलमान खान, अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार सहित कई फिल्मी सितारों की रेकी किए जाने के आरोपों ने मनोरंजन जगत में चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस द्वारा चार लोगों की गिरफ्तारी और उनसे पूछताछ में सामने आए कथित नेटवर्क की जानकारी मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। हालांकि, इन आरोपों और विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया से होना आवश्यक है। जांच से संबंधित दावों में लॉरेंस बिस्नोई गिरोह के पांच प्रमुख हैंडलरों और करीब 700 गुणों के नेटवर्क का उल्लेख किया जा रहा है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में बैठे कथित सहयोगियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है। टायसन बिस्नोई, अनिल पंडित, हरि बॉक्सर, हरमन संधू और हिमांशु सोनीपत जैसे नामों को नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है। आरोप है कि गिरोह नए सदस्यों की भर्ती, हथियारों की व्यवस्था, जबरन वसूली, वित्तीय प्रबंधन और सोशल मीडिया के जरिए धमकियां फैलाने जैसे काम संगठित तरीके से करता है। संगठित अपराध अब केवल स्थानीय गिरोहों तक सीमित नहीं है। डिजिटल संचार, विदेशों में मौजूद सहयोगियों और कथित वित्तीय नेटवर्क के सहारे अपराधी सीमाओं से पूरे जाकर गतिविधियां संचालित करने की कोशिश कर रहे हैं।

लॉरेंस बिस्नोई वर्ष 2015 से जेल में है। वह 2023 से साबरमती जेल में बंद है। इसके बावजूद उसके नाम से जुड़ी आपराधिक गतिविधियां और धमकियों के लगातार सामने आने की खबरें सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग करती हैं। जेलों में मोबाइल फोन मिलने, प्रतिबंधित सुविधाओं के इस्तेमाल और कैदियों के वीडियो वायरल होने जैसी घटनाएं भी चिंता बढ़ाती हैं। मूल प्रश्न है कि जेल में बंद किसी व्यक्ति के निर्देश बाहर तक कैसे पहुंचते हैं? क्या जेलों में संचार व्यवस्था की निगरानी पर्याप्त है? क्या जेल कर्मचारियों, बाहरी सहयोगियों और अवैध वित्तीय लेन-देन की प्रभावी जांच होती है? इन सवालों के जवाब तथ्यों और निष्पक्ष जांच के आधार पर सामने आने चाहिए। जब किसी गिरोह की गतिविधियों के तार अमेरिका, कनाडा और यूरोप तक जुड़ने के आरोप सामने आते हैं, तब मामला केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता। विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों, कारोबारियों और सार्वजनिक हस्तियों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे मामलों में संबंधित देशों के साथ खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, प्रत्यर्पण प्रक्रिया, वित्तीय लेन-देन की निगरानी और संयुक्त जांच निर्णायक साबित हो सकती है। अनमोल बिस्नोई की गिरफ्तारी और उसके विरुद्ध चल रही कानूनी प्रक्रिया के

बावजूद यदि गिरोह की गतिविधियां जारी रहने के आरोप हैं, तो एजेंसियों को यह पता लगाना होगा कि नेटवर्क का संचालन किन माध्यमों से हो रहा है और उसकी आर्थिक ताकत कहाँ से आती है। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की जिम्मेदारी केवल अपराधियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है, वह जेल में रहते हुए अपराध का संचालन न कर सके। यदि सुरक्षा में चूक, भ्रष्टाचार, अवैध संचार या प्रशासनिक लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिर वह कौन-सी व्यवस्था है, जिसमें जेल की सलाखें किसी अपराधी के अपराधों को बंद नहीं कर पा रही हैं? इसका जवाब सचिनो गोर ने भी रखा, ऊर्जा, तकनीक और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में बातचीत को महत्वपूर्ण बताया। यह तथ्य रेखांकित करता है कि भारत-अमेरिका संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यापक रणनीतिक महत्व रखते हैं। भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग महत्वपूर्ण है। विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा की उपलब्धता, तकनीकी सहयोग और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक आर्थिक आवश्यकताओं से जुड़ा है। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में सहयोग से आधुनिक तकनीक, उपकरणों के उत्पादन और औद्योगिक साझेदारी के अवसर बन सकते हैं।

तकनीक के क्षेत्र में सहयोग भी विशेष महत्व रखता है। डिजिटल सेवाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी भारत के विकास लक्ष्यों को समर्थन दे सकती है। हालांकि, तकनीकी सहयोग के साथ डेटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा, घरेलू क्षमता निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा। भारत को किसी भी साझेदारी में अपनी स्वतंत्र निर्णय क्षमता बनाए रखते हुए सहयोग के अवसरों का उपयोग करना चाहिए। मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अर्थ केवल किसी बड़े साझेदार के साथ निकटता नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र और संतुलित नीति अपनाना भी है। व्यापार समझौते की घोषणा निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत दे सकती है, लेकिन उसकी सफलता का आकलन ठोस परिणामों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। क्या इससे भारतीय निर्यात में वास्तविक वृद्धि होगी? क्या निर्यात बढ़ेगा? क्या रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे? क्या छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा? और क्या भारत अपने संवेदनशील क्षेत्रों की पर्याप्त सुरक्षा कर पाएगा? ये ये प्रश्न हैं, जिनके उत्तर समझौते की शर्तें स्पष्ट होने के बाद ही मिल सकेंगे।सरकार को समझौते से संबंधित प्रमुख प्रावधानों को पारदर्शी तरीके से सामने लाना चाहिए।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



ललित गर्ग

साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है।

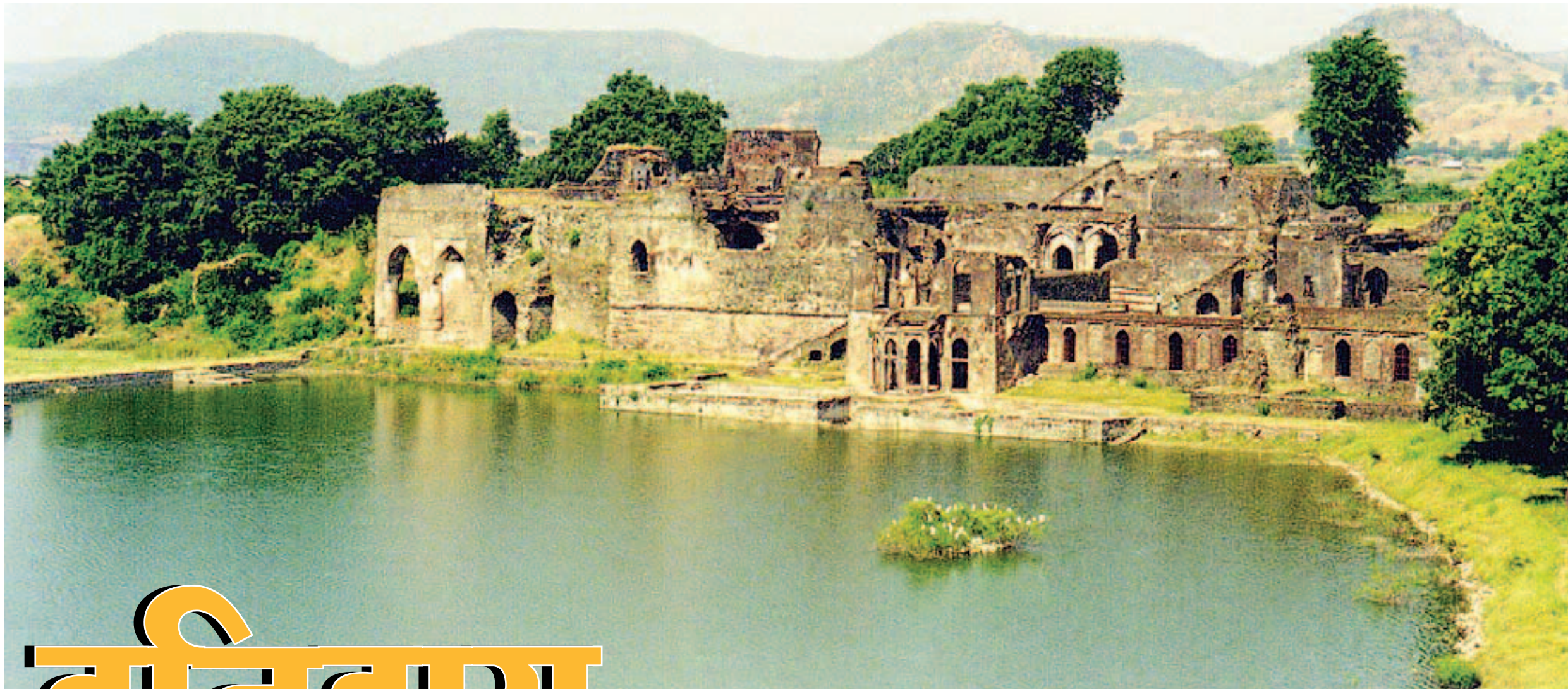
कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोगन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जानने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चलेंगे? किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के अनुसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि



घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भयत्ना और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिभाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजनों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा

से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से

घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आंखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है। अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयोजक समितियों, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय की अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी हमें चेतावनी दे रही है कि उत्सव की चमक के पीछे छिपी लापरवाही कभी भी अधिकार बनकर उतर सकती है। मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल शोक व्यक्त करना या उनके परिजनों को सहायता देना नहीं, बल्कि यह संकल्प लेना है कि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों। सरकार जांच, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझे, आयोजक अपनी प्रतिष्ठा से पहले लोगों की सुरक्षा को रखें और नागरिक अपनी आस्था के साथ विवेक को भी स्थान दें। आखिर कितने हादसों के बाद हम सोचेंगे? कितने परिवारों के उजड़ने के बाद हमारी व्यवस्थाएं बदलेंगी? और कितनी जिंदगियां की कीमत पर हम समझेंगे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयोजन और कोई भी धार्मिक आस्था मनुष्य के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और सकुशल अपने घर लौटे।



इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू

माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहे हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवी के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है। यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प

सुल्तानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गौरी ने इसका नाम बदलकर सादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशरफी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ा था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद



खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशरफी महल का निर्माण मंदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छे अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में खान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। रूपमती के सौन्दर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जगनिक ने 52 लड़कियों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़कई माझीगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़कई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थी और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं।

‘माण्डू सिटी ऑफ जॉय’ के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, गैथिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्तियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।



वया देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषता यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है। इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है। यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय स्थल था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। यह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है। इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज बंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयासुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहाड़ी की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रोवा कुंड, चम्पा बावली, अशरफी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता। जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से थुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

वायुमार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है। यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है। सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।

रेलमार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रतलाम और इंदौर हैं। यह इंदौर से 99 किमी. और रतलाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है। भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।



जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक चर्चित स्मारक है। चारों तरफ पानी से घिरे होने के कारण यह जहाज का दृश्य उपस्थित करता है। इसकी आकृति टी के आकार की है। इसका निर्माण परमार राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके सुदृढीकरण का श्रेय गयासुद्दीन खिलजी को है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अंत-भूगर्भीय संरचना है। माण्डू का फैलाव जितना ऊपर है उतना ही नीचे है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूगर्भीय रचना सुरक्षा का एक साधन भी थी। यह संरचना अपने निर्माण से आज भी विस्मृत करती है। धार व माण्डू के बीच बने 35 भवन एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण हैं। येभवन इको प्वाइंट का काम करते थे। सुल्तान जब माण्डू से धार के लिए निकलता था तो इन्हीं भवनों से उसके आने की खबर दी जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बुढ़ी माण्डू स्थित है। इसे ऋषि माण्डव या माण्डवी के नाम पर सिद्धक्षेत्र कहा गया है।



बच्चों के टैलेंट को मंच देगा ‘किड्स फेस्टिव बाजार’

रविवार को श्याम पैलेस में होगा आयोजन, शॉपिंग स्टॉल, गेम्स और टैलेंट शो रहेंगे आकर्षण

इंदौर बच्चों की रचनात्मकता और हुनर को मंच देने के लिए 25 अक्टूबर को ‘दीवाली फेस्टिवल-किड्स फेस्टिव बाजार’ का आयोजन किया जाएगा। क्रिएटिव कोच राधिका लड्डा की ओर से आयोजित यह फेस्टिवल फुटी कोठी स्थित श्याम पैलेस में होगा। आयोजन में प्रवेश निशुल्क रहेगा। रविवार को सुबह 11 से शाम 7 बजे तक होने वाले इस फेस्टिवल में बच्चों द्वारा लगाए जाने वाले शॉपिंग स्टॉल, फूड स्टॉल, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके जरिए बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ खेल-खेल में कारोबार और उद्यमिता की बारीकियां सीखने का अवसर मिलेगा। परिवारों के लिए भी यहां खरीदारी, मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों का अनुभव रहेगा। आयोजक राधिका लड्डा ने बताया कि फेस्टिवल का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने, नए विचारों को सामने लाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देना है। उन्होंने शहरवासियों से परिवार के साथ आयोजन में शामिल होकर बच्चों का उत्साह बढ़ाने की अपील की। राधिका बच्चों को वैदिक गणित, फॉनेटिक्स और स्पेलिंग की कक्षाओं के साथ समर कैप के माध्यम से भी सीखने और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

त्योहारों के सीजन में नकदी मांग में तेजी, आरबीआई की वीआरआर नीलामी में मजबूत भागीदारी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार को होने वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रीपो नीलामी में बैंकों की मजबूत भागीदारी की उम्मीद है। इसकी मुख्य वजह यह है कि त्योहारों के मौसम में नकदी की निकासी में तेजी आई है, जिससे बैंकों में अतिरिक्त नकदी में कमी आई है और ओवरनाइट ब्याज दरों में वृद्धि हुई है। सोमवार को भारत औसत कॉल दर (डबल्यूसीआर) 5.66 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर के करीब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक रविवार को शुद्ध नकदी अधिशेष 1.85 लाख करोड़ रुपए था। आरबीआई ने सोमवार को 1 लाख करोड़ रुपए की वीआरआर नीलामी की थी, जो तीन महीने में पहली नीलामी थी। इस नीलामी में बैंकों ने 1.51 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई थी, जिसमें केंद्रीय बैंक ने 5.52 फीसदी की भारत औसत दर पर 1 लाख करोड़ रुपए की बोली स्वीकार की। यह दर कॉल रेट से काफी नीचे और 5.50 फीसदी की नीतिगत रीपो रेट से थोड़ा ऊपर थी। अब आरबीआई बुधवार को आगली नीलामी में 50,000 करोड़ रुपए की पेशकश करेगा। एक सरकारी बैंक के डीलर ने बताया कि त्योहारों के सीजन में धन की निकासी के कारण अक्सर बैंकों की नकदी में गिरावट आती है, यह एक अस्थायी कमी है और आरबीआई वीआरआर जारी रखेगा। नकदी के रुख में हाल के समय में तेज बदलाव आया है। 29 जुलाई को अपनी पिछली वीआरआर नीलामी के बाद से, आरबीआई 6 अगस्त से लगातार नकदी खींचने का रुख अपना रहा था। इसकी वजह यह थी कि आरबीआई की रियायती स्वैप सुविधा के तहत एफसीएमआर-बी जमा से अतिरिक्त नकदी काफी बढ़ गई थी। आरबीआई ने 16 अक्टूबर से कड़े किए गए दैनिक नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) की जरूरत की वजह से भी अधिशेष नकदी घटी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंचे, अब तक किए समझौतों से यह अलग होगा- ट्रंप

नई दिल्ली ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्वाइट हाउस में कहा कि भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच गए हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रबियो भारत दौरे पर हैं। रबियो ने अपने दौरे में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना जैसे प्रमुख मुद्दे शामिल थे। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे समझौता करना चाहते हैं। हम भी समझौता करेंगे। हां, हम इसके काफी करीब हैं।+ यह समझौता अब तक किए गए हमारे समझौतों से काफी अलग तरह का होगा। इस महीने की शुरुआत में भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने मिल्वाँकी और वाशिंगटन में व्यापार समझौते की बारीकियों पर गहन चर्चा की थी। बता दें भारत और अमेरिका ने इसी साल फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। हालांकि इसके बाद अमेरिका में आयात शुल्क से जुड़े नियमों और परिस्थितियों में कुछ बदलाव हुए।

त्यौहारी सीजन में चीनी का कड़वा स्वाद-21 राज्यों में महंगाई चरम पर

कम बारिश की वजह से गन्ने के उत्पादन में आई कमी

नई दिल्ली ।

त्यौहारी सीजन के दौरान देश में चीनी की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। उम्भोका मूल्य सुमृचकांक (सीपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2026 में देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 21 में चीनी की खुदरा महंगाई दर 30 प्रतिशत से

अधिक दर्ज की गई है। देशभर में चीनी की खुदरा महंगाई दर अगस्त 2026 के 24.27 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 29.80 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो जनवरी 2026 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में चीनी की खुदरा महंगाई दर महज 1.44 प्रतिशत थी, जिसमें लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार,

रहेगी। दुर्गा पूजा (दशैन) सिक्किम के नेपाली हिंदू समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय और बुराई पर अच्छई की जीत का प्रतीक है। इस मौके पर देवी दुर्गा की पूजा की जाती है, और परिवार के बड़े सदस्यों द्वारा छोटों को माथे पर टिका लगाकर आशीर्वाद दिया जाता है।

सिक्किम में बैंक 23 अक्टूबर (शुक्रवार) को भी दुर्गा पूजा/दशैन के कारण बंद रहने वाले है। इसके बाद, देश भर में

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 143, निफ्टी 77 अंक गिरा

मुम्बई
भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी चौतरफा बिकवाली हावी रहने से आई है।
इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 143.21 अंक टूटकर 73,709.69 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 77.60 अंक नीचे आकर 22,811.35 पर बंद हुआ।
आज निफ्टी पर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, आयशर मोटर्स, एटरनल, ट्रेट और माहति सुजुकी शामिल रहे। वहीं इंफोसिस, टेक

एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयरों की धमाकेदार एंट्री, हर लॉट पर 3,520 का मुनाफा
नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयरों की धमाकेदार एंट्री हुई, जिससे निवेशकों को हर लॉट पर 3,520 रुपए तक का मुनाफा हुआ। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 271 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 23.61फीसदी प्रीमियम के साथ 335 रुपए पर लिस्ट हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर यह 334.40 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो इश्यू प्राइस से 23.39फीसदी ज्यादा था। आईपीओ में निवेशकों को प्रति लॉट 55 शेयर आवंटित किए गए थे, जिससे लिस्टिंग के दिन ही उन्हें 3,520 रुपए का मुनाफा मिला। हालांकि, शुरुआती उछाल के बाद बीएसई पर शेयर ऊपरी स्तरों से टूटकर सुबह 10 बजकर 13 मिनट के आसपास 305 रुपए के करीब कारोबार कर रहा था। एचडी फायर प्रोटेक्ट का आईपीओ 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक खुला था और इसे निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। आईपीओ करीब 130.81 गुना भरकर बंद हुआ था, जिसमें क्रालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 256.65 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 202.73 गुना और रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्सा 28.91 गुना सम्बकाइब हुआ था। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा भी 22.86 गुना भरा था। इस इश्यू के जरिए कंपनी ने लगभग 712 रुपए करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसका प्राइस बैंड 258 रुपए से 271 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल था, जिसका मतलब है कि मौजूदा शेयरधारकों ने अपने शेयर बेचे और जुटाई गई रकम सीधे कंपनी को नहीं मिली।

एसबीआई पर साइबर हमला-हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक

मुंबई ।

भारत के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), ने पुष्टि की है कि एक साइबर हमले के कारण उसके हजारों ग्राहकों का निजी डेटा डार्क वेब पर लीक हुआ है। एसबीआई बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उन्हें संदेह है कि 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईएफ) चोरी हुई है।

लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म

तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पता और घर का पता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बांचा और कस्टमर इंफॉर्मेशन फाइल के आइडेंटिफायर, लीड आईडी, और लोन व लीड रिकॉर्ड्स से जुड़े मेटाडेटा भी प्रभावित हुए हैं। एसबीआई को डेटा लीक के बारे में पहली जानकारी 16 अक्टूबर को थ्रेंट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिसपॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) से मिली थी। डार्क वेब पर मिले रिकॉर्ड्स की शुरुआती जांच में

3,897 इसतरह के ग्राहकों का डेटा सामने आया, जिसमें उनकी संवेदनशील निजी जानकारी शामिल थी। हालांकि, एसबीआई ने आश्चस्त किया है कि इस घटना का बैंक के मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन या व्यावसायिक निरंतरता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। बैंक के कोर ऑपरेशन बिना किसी रुकावट के सामान्य रूप से चल रहे हैं। बैंक ने तुरंत अपने साइबर इंसिडेंट रिसपॉन्स और बचाव प्रोटोकॉल को सक्रिय किया है।

जीयो आईपीओ का लक्ष्य मजबूत कारोबार और निवेशकों के लिए सतत मूल्य बढ़ाना है

आकाश बोले- जियो का फोकस एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्रॉडबैंड सेवाओं के विस्तार पर

नई दिल्ली ।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने जियो प्लेटफॉर्मस के आईपीओ के खुदरा निवेशकों के लिए खुलने के अवसर पर कंपनी की भविष्य की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जियो का लक्ष्य सिर्फ सूचीबद्ध होना नहीं, बल्कि लंबे समय तक एक मजबूत कारोबार बनाना और निवेशकों के लिए सतत मूल्य बढ़ाना है। एक इंटरव्यू में आकाश अंबानी ने बताया कि जियो का फोकस एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्रॉडबैंड और अन्य डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने पर रहेगा। कंपनी केवल टैरिफ बढ़ाकर कमाई बढ़ाने की बजाय, नई सेवाओं और ग्राहकों द्वारा डेटा के बढ़ते इस्तेमाल पर जोर देगी। उन्होंने रिटेल निवेशकों से जियो को एक दीर्घकालिक व्यवसाय के रूप में देखने का आग्रह किया। अंबानी के मुताबिक जियो ने पिछले दस सालों में अपने नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और डिजिटल सेवाओं

एसबीआई ने कहा कि वह लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की जांच करने, इसके स्रोत का पता लगाने, डेटा लीक के दायरे को समझने और ग्राहकों व बैंक के लिए जोखिमों का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच कर रहा है। सबसे पहले 19 अक्टूबर को इस संभावित डेटा लीक की रिपोर्ट दी थी। एसबीआई स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और 3,897 ग्राहकों के डेटा से जुड़े मामले की जांच जारी है। बैंक ने कहा है कि इस दौरान नियमों के अनुसार उचित कदम उठाए जाएंगे।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है है। बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर इन दोनों ही बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में एक बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसने ग्राहकों में उत्साह है। आज के कारोबार में, सोने की कीमतों में 0.31ब की उल्लेखनीय कमी देखी गई। 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना, जो कल तक 1,46,630 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था, वह आज 451 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,179 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

यह उन निवेशकों और उपभोक्ताओं के लिए निश्चित रूप से राहत की बात है, जो लंबे समय से शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे थे। देश के प्रमुख महानगरीय केंद्रों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पटना और लखनऊ में 24 कैरेट सोने का भाव एक समान रूप से 1,46,179 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जो पूरे देश में एक ही बाजार रूझान को प्रतिबिंबित करता है।

यह मूल्य में गिरावट उन व्यक्तियों के लिए एक शानदार अवसर प्रस्तुत करती है जो आभूषण खरीदने या अपनी बचत को सोने में निवेश करने की योजना बना रहे थे। वहीं सोने के साथ-साथ, चांदी की कीमतों में भी आज नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर, कल 2,10,480.00 रुपए प्रति किलोग्राम पर उपलब्ध चांदी की कीमत में 0.26 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस ताजा गिरावट के बाद, चांदी आज 545 रुपए सस्ती होकर 2,09,935 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई में निकली एआई विशेषज्ञों की भर्ती

55 साल तक की उम्र के उम्मीदवार कर सकेंगे आवेदन, अंतिम तिथि 19 नवंबर

नई दिल्ली ।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अब एआई और डेटा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेषज्ञ की तलाश कर रहा है। बैंक ने स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (एससीओ) के पदों पर सविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर भर्ती निकाली है, जिसमें चीफ एआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर और एआई आर्किटेक्ट जैसे कई अहम पदों को शामिल किया है। यह भर्ती सामान्य बैंकिंग पदों से हटकर आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों पर केंद्रित है। खास बात यह है कि कुछ वरिष्ठ पदों के लिए 55 साल तक के अनुभवी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई ने जनरल मैनेजर एवं चीफ

एसआई ऑफिसर, डिप्टी जनरल मैनेजर, एआई सॉल्यूशन आर्किटेक्ट और एंटरप्राइज एआई आर्किटेक्ट जैसे पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। चीफ एआई ऑफिसर पद के लिए न्यूनतम आयु 40 साल और अधिकतम 55 साल तय की गई है। इन पदों के लिए कंप्यूटर साइंस, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी शाखाओं में बीई, बीटेक या एमटेक की डिग्री या स्टैटिस्टिक्स या कंप्यूटर साइंस में एमएससी, एमए, एम स्टैट या एमसीए की डिग्री और संबंधित क्षेत्र में जरूरी पेशेवर अनुभव अनिवार्य है। डिप्टी जनरल मैनेजर के पदों के लिए आयु सीमा 35 से 50 साल, जबकि एआई आर्किटेक्ट पदों के



लिए 30 से 45 साल रखी है। सभी पदों के लिए संबंधित तकनीकी विषयों में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री के साथ पर्याप्त अनुभव होना भी जरूरी है।

चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों के लिए सीटीसी नेगोशिएशन चरण भी होगा, क्योंकि ये नियुक्तियां तय अवधि के कॉन्ट्रैक्ट पर आधारित हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 19 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एसआईपी में निवेशक अब सीधे निवेश का विकल्प ,परिसंपत्तियों का हिस्सा दोगुना से ज्यादा

नई दिल्ली ।

सितंबर 2026 तक डायरेक्ट प्लान के तहत पांच साल से ज्यादा समय से निवेशित म्युचुअल फंडों के सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की परिसंपत्तियों का हिस्सा दोगुना से ज्यादा हो गया है। सितंबर 2021 में यह 6.9 फीसदी था जो बढ़कर 16.6 फीसदी पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि निवेशक अब सीधे निवेश करने और कम खर्च वाले विकल्पों की तरफ झुक रहे हैं। हालांकि, इस श्रेणी में अभी भी रेग्युलर प्लान का दबदबा बरकरार है, जहां कुल 5.73 रुपए लाख करोड़ की एसआईपी परिसंपत्तियों में से 4.77 लाख करोड़ रुपए रेग्युलर प्लान के हैं। डायरेक्ट प्लान से जुड़े निवेशकों को बिना किसी मध्यस्थ के निवेश करने की सुविधा मिलती है और इनमें खर्च अनुपात कम होता है। इसके विपरीत, रेग्युलर प्लान व्यक्तिगत आवेदों, बैंकों और वेलथ मैनेजर्स के जरिए बेचे जाते हैं और ये अक्सर लंबे समय तक चलते हैं क्योंकि इनमें निवेशकों को पेशेवर सलाह का लाभ मिलता है। अन्य अवधियों में भी डायरेक्ट प्लान की हिस्सेदारी में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिससे इनकी बढ़ती लोकप्रियता साफ झलकती है।

सोने में गिरावट फिर भी गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी, 4,451 करोड़ का निवेश आया

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों में हाल में आई गिरावट के बावजूद गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। सितंबर 2026 में गोल्ड ईटीएफ में 4,451 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अगस्त के 2,597 करोड़ रुपए के मुकाबले 71.4 फीसदी ज्यादा है। यह बढ़ोतरी तब हुई है जब सोने की कीमतें जनवरी 2026 के शिखर (5,595 डॉलर प्रति औंस) से लगभग 25 फीसदी टूटकर 4,200 डॉलर प्रति औंस पर आ गई हैं। दिवाली नजदीक आने के साथ त्योहारी मांग से सोने में निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ सकती है।

हालांकि, करीब 17 म्युचुअल फंड कंपनियों ने गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने वाली फंड ऑफ फंड्स योजनाओं में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। कोटक म्युचुअल फंड में ईटीएफ के फंड मैनेजर को उम्मीद है कि त्योहारी गोल्ड फंड में निवेश बढ़ सकता है। हालांिया गिरावट के बाद कीमतें कम होने से उन निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ सकती है, जो सोने

में निवेश के लिए बेहतर कीमत का इंतजार कर रहे थे। वहीं, निपॉन इंडिया म्युचुअल फंड में कमोडिटीज के हेड और फंड मैनेजर का मानना ​​है कि भौतिक सोने की मांग कमजोर रहने के बावजूद त्योहारी सीजन में गोल्ड ईटीएफ में नया निवेश बढ़ सकता है, जैसा कि अतीत में भी देखा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल इस उम्मीद में निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए कि सोने की कीमतें अब सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। निवेशक मौजूदा कीमतों पर धीरे-धीरे सोना खरीदना शुरू कर सकते हैं, जैसे गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड फंड के जरिए किस्तों में निवेश करने से खरीद की औसत कीमत को संतुलित करने में मदद मिलती है। उनका मानना ​​है कि अगर सोने में निवेश का मकसद जोखिम को बांटना है, न कि कम समय में मुनाफा कमाना, तो पोर्टफोलियो में सोने के लिए कुछ हिस्सा तय करने का शायद ही कोई गलत समय होता है। सोने को छोटी अवधि में खरीद-बिक्री करने के बजाय मध्यम और लंबी अवधि में निवेश में विविधता लाने के लिए ज्यादा उपयुक्त माना जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

**मेष**
चू चे चो ला ली
जू ले लो आ

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएँ। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

**वृष**
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

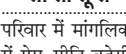
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रशिक्षण में परीक्षा में सफलता आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेसमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

श्रेष्ठजनों की सहायता मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लें। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

**मिथुन**
का की कू घ ड
छ के को हा

अपने काम की प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएँ फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुण्य मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

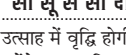
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

**सिंह**
मा नी मू मे मो
दा टी दू टे

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मानस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुपक्ष, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग है। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

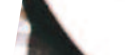
**धनु**
ये यो मा नी मू
दा फा डा ने

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

**कुम्भ**
पू गे गो हा
सी सू से हो वा

सकारात्मक पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केंद्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएँ। आर्थिक योजनाएँ फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगा। बकाया धन की प्राप्ति के योग है। शुभांक-4-7-8

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

**मीन**
री दू थ ज्ञ ज दे
वो चा ची

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

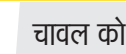
सकारात्मक पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केंद्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएँ। आर्थिक योजनाएँ फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगा। बकाया धन की प्राप्ति के योग है। शुभांक-4-7-8

**मकर**
मे जा नी खी खू
खे खो गा गी

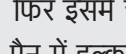
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

**कुम्भ**
पू गे गो हा
सी सू से हो वा

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

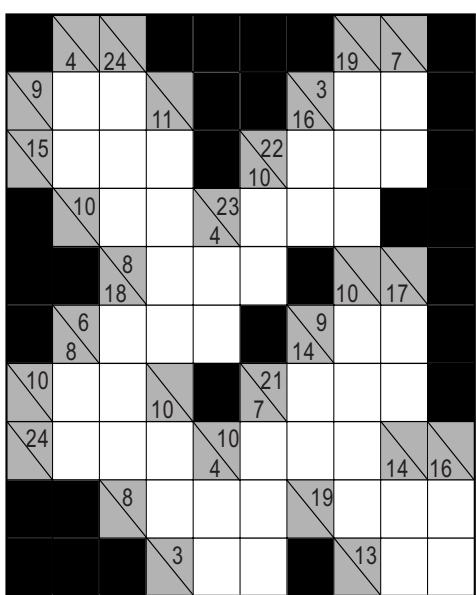
**मीन**
री दू थ ज्ञ ज दे
वो चा ची

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

**मकर**
मे जा नी खी खू
खे खो गा गी

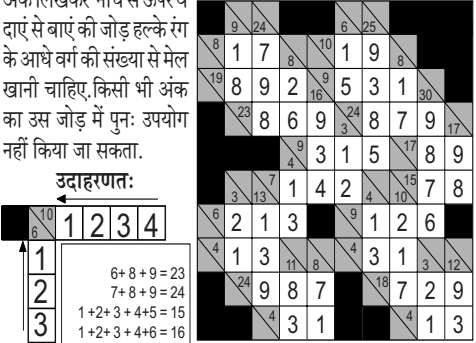
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 4046

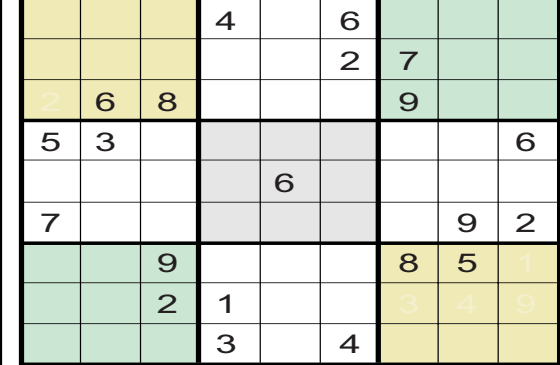


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

काकुरो - 4045 का हल



सुडोकु -4046



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्गों में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकु -4045 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

लॉफिंग जॉन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटररी की तरह दिखती है।'

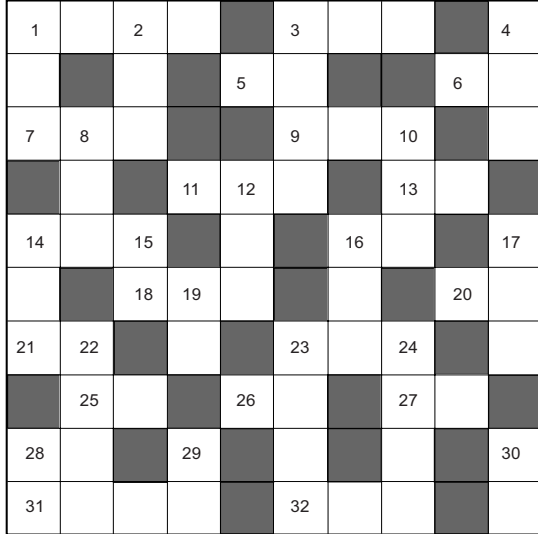
एक भौड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

फिल्म वर्ग पहेली- 4046



बायें से दायें:-

1. 'चाँद तारे तोड़ लाकें' गीत वाली शाहरुख, जुही की फिल्म-२,२
2. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
3. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
4. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गरीब तु चली' गीत वाली फिल्म-२
5. 'चमन में रहके बीरना' गीत वाली दिलीप, निमी की फिल्म-३
6. 'मेधा रे मेधा' गीत वाली फिल्म-२
7. विकास भट्टा, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
8. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी-२
9. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
10. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
11. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
12. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
13. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
14. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
15. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
16. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
17. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
18. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
19. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
20. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
21. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
22. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
23. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
24. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
25. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
26. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
27. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
28. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
29. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
30. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
31. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
32. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
33. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
34. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
35. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
36. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
37. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
38. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
39. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
40. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
41. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
42. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
43. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
44. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
45. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
46. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
47. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
48. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
49. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
50. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
51. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
52. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
53. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
54. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
55. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
56. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
57. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
58. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
59. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
60. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
61. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
62. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
63. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
64. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
65. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
66. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
67. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
68. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
69. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
70. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
71. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
72. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
73. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
74. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
75. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
76. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
77. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
78. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
79. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
80. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
81. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
82. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
83. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
84. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
85. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
86. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
87. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
88. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
89. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
90. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
91. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
92. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
93. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
94. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
95. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
96. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
97. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३
98. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
99. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
100. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी-३

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीप कुमार, मोना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
2. 'संदेश आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
3. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-२
4. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
5. 'खुशी' में फरदीन की नायिका-३
6. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशाखा, मालासिन्हा की फिल्म-३
7. 'जलते हैं जिसके दिले' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
8. 'रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२-२
9. 'साधिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
10. विश्वजीत, बबिता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
11. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मोनाक्षी शेणदिक की फिल्म-२
12. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गाते मुस्कुरा लो' गीत वाली फिल्म-४
13. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
14. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
15. 'दिलजले' में अजय का नाम-२-२
16. प्रशान्त और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
17. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

शब्द पहेली - 4045



बाएँ से दायें

1. सेवक, दास-३
2. निवास करना-३
3. खूजली-२
4. परीपकारी-५
5. प्याला, जाम-२
6. टोटी, नलका-२
7. आनंद, जूस-२
8. प्रतिष्ठा, शपथ-३
9. सिमरन, सुमन-३
10. सुअर-३
11. पन, लेखनी-३
12. कमल, जलज-३
13. क्रोध, गुस्सा-२
14. पाश, फंदा-२
15. शोषण करना-३
16. गौरव, प्रशंसा-३
17. सूत कालने का साधन-३
18. गौरव-३
19. देवर्षि-३
20. अधिकार-२
21. यमराज-२

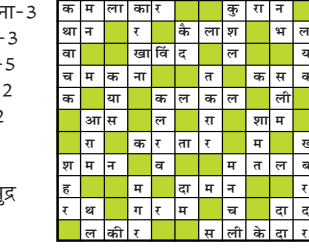
ऊपर से नीचे

1. उर्वरक-२
2. विशाल, श्रेष्ठ-३
3. धनवान, संपन्न-३
4. प्राणेश, इच्छा-२
5. दैत्य, असुर-३
6. मायाजाल-३
7. उद्धार, पार लगाना-३
8. शरण, आश्रय-३
9. चूर-चूर, ढहा-५
10. टोटी, नलका-२
11. युद्ध, संग्राम-२
12. दूल्हा-२
13. राजपुत्र-५
14. मद्रास का समुद्र तट-३
15. नीले रंग का

बहुमूल्य रत्न-३

1. सेवक, दास-३
2. निवास करना-३
3. खूजली-२
4. परीपकारी-५
5. प्याला, जाम-२
6. टोटी, नलका-२
7. आनंद, जूस-२
8. प्रतिष्ठा, शपथ-३
9. सिमरन, सुमन-३
10. सुअर-३
11. पन, लेखनी-३
12. कमल, जलज-३
13. क्रोध, गुस्सा-२
14. पाश, फंदा-२
15. शोषण करना-३
16. गौरव, प्रशंसा-३
17. सूत कालने का साधन-३
18. गौरव-३
19. देवर्षि-३
20. अधिकार-२
21. यमराज-२

शब्द पहेली - 4045 का हल



RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +
50% Extra

(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



रेसिपी

पालक आमलेट

सामग्री

- अंडे- 2, पालक- 1 कप (कटे हुए) ■ धनिया पत्ता- 1/4 कप ■ नमक- स्वादानुसार ■ हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ अदरक- 1/4 चम्मच ■ हल्दी- चुटकीभर ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ जीरा- 1/4 चम्मच ■ लाल मिर्च- 1/4 चम्मच ■ घी या मक्खन- आवश्यकतानुसार

पुलाव वाले शिमला मिर्च

सामग्री

- चावल- 3 कप ■ शिमला मिर्च- 4 ■ मटर- 120 ग्राम ■ दालचीनी का टुकड़ा- 6 ■ अदरक-लहसुन पेस्ट- 2 चम्मच ■ धनिया पत्ता- बारीक कटी ■ नींबू रस- 2 चम्मच ■ पुदीना ■ जीरा- 1 चम्मच, इलायची- 4 ■ प्याज- 2 ■ हल्दी- चुटकीभर ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच ■ तेजपत्ता- 3 ■ पानी- आवश्यकतानुसार ■ नमक- स्वादानुसार

वि



जैकी श्रॉफ के बड़े भाई को लोग मानते थे असली ‘दादा’, सुनाया किस्सा

हाल ही में अपने लोकप्रिय नाम ‘जग्गू दादा’ के पीछे की भावुक कहानी बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने साझा की थी। बॉलीवुड अभिनेता ने बताया कि जिस चॉल में उनका बचपन बीता, वहां उनके बड़े भाई को लोग असली ‘दादा’ मानते थे। उनके भाई जरूरतमंद लोगों की मदद करते थे, उनके लिए हर समय खड़े रहते थे। भाई के इसी स्वभाव ने जैकी श्रॉफ को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर उन्होंने भी उनकी तरह लोगों की मदद करने का रास्ता चुना। एक लोकप्रिय चैट शो में बातचीत के दौरान जैकी ने अपने बचपन की एक दर्दनाक घटना को याद किया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश करते समय उनके बड़े भाई समुद्र में डूब गए थे। उनके भाई को तैरना नहीं आता था। जैकी उस समय महज 10 साल के थे और घटना के दौरान बेहद डरे हुए थे। उन्होंने भाई को बचाने के लिए एक रस्सी या केबल फेंकी। भाई ने उसे पकड़ भी लिया, लेकिन वह उनके हाथ से फिसल गई और वे समुद्र में डूब गए। जैकी ने बताया कि अपने भाई को आंखों के सामने डूबते देखना उनके जीवन का सबसे भयावह अनुभव था। उन्होंने कहा कि वह उस समय इतने छोटे और डरे हुए थे कि समुद्र में कूदने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्हें लगता था कि ऐसा करने पर वह खुद भी डूब सकते थे। अपने भाई को खोने का दर्द उनके साथ लंबे समय तक रहा, क्योंकि भाई उनके लिए केवल परिवार का सदस्य नहीं, बल्कि रक्षक और प्रेरणा भी थे। अभिनेता के मुताबिक, उनके बड़े भाई की निस्वार्थ भावना ने उन्हें दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। इसी वजह से उन्होंने अपने भाई के आदर्शों को अपनाया और लोगों के बीच ‘जग्गू दादा’ के नाम से पहचान बनाई। बताया जाता है कि कई साल बीत जाने के बाद भी जैकी उस चॉल में जाते हैं, जहां उन्होंने अपना बचपन बिताया था। जैकी श्रॉफ का फिल्मी सफर भी काफी लंबा और विविधतापूर्ण रहा है। उन्होंने वर्ष 1982 में देव आनंद की फिल्म ‘स्वामी दादा’ में छोटी भूमिका से शुरुआत की थी। इसके बाद 1983 में सुभाष घई की फिल्म ‘हीरो’ से बतौर मुख्य अभिनेता पहचान हासिल की। आगे चलकर उन्होंने ‘अंदर बाहर’, ‘कर्मा’, ‘राम लखन’, ‘त्रिदेव’, ‘परिदा’, ‘सौदामर’, ‘खलनायक’, ‘रंगीला’, ‘बॉर्डर’, ‘देवदास’, ‘धूम 3’, ‘भारत’ और ‘सूर्यवंशी’ जैसी कई फिल्मों में काम किया।

बॉक्स ऑफिस पर जेलर 2 का तूफान

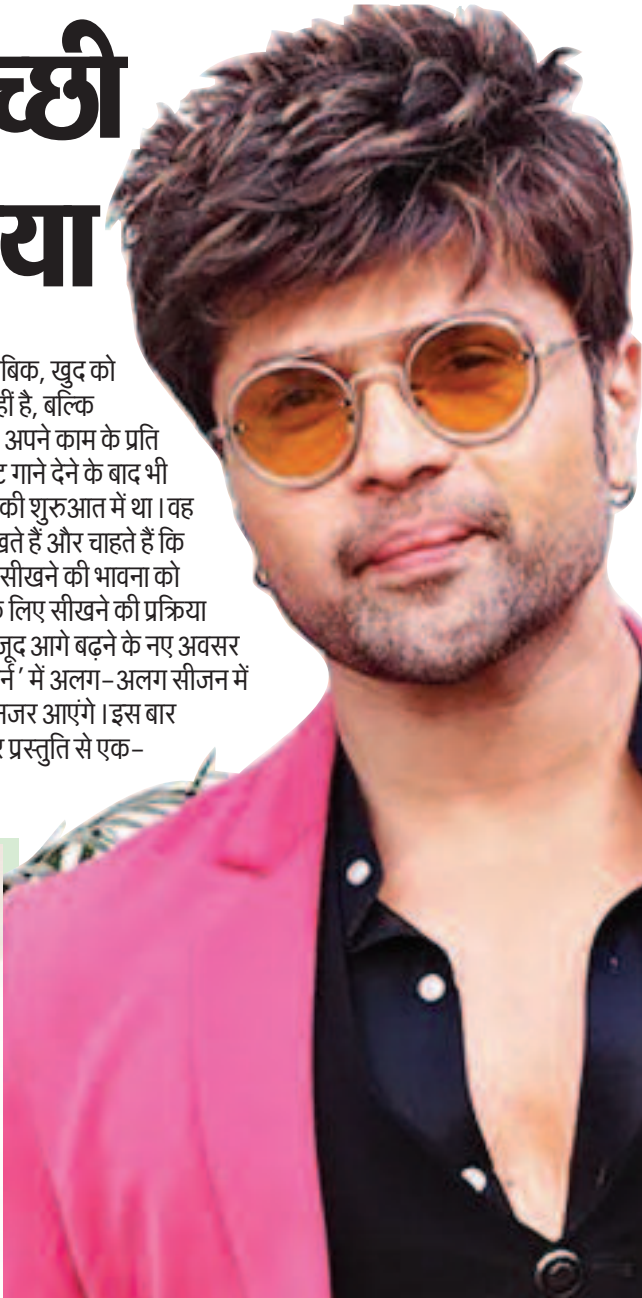
तमिल सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म जेलर 2 ने रिलीज के दो दिनों में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 2 10.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है, जिन्होंने 2023 में रिलीज हुई पहली फिल्म का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे सन पिक्चर्स बैनर तले कलानिधि ने प्रोड्यूस किया है। ट्रेड ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 125.25 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 85.4 करोड़ रुपये की कमाई की। धरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 113.65 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंद्र ने दिया है। जेलर फिल्म रजनीकांत के किरदार, रिटायर हो चुके जेलर मुथुवेल पांडियन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी वर्दी उतारने के बाद अपने परिवार के साथ एक शांत जीवन बिता रहे होते हैं।



सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज पर्याप्त नहीं: हिमेश रेशमिया

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक हिमेश रेशमिया का मानना है कि किसी कलाकार के लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए केवल अच्छी आवाज होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे समय के साथ खुद को बदलने, नए प्रयोग करने और अपनी कला को लगातार निखारने की जरूरत होती है। हिमेश रेशमिया आजकल सिंगिंग रियलिटी शो ‘इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न’ में सुपरस्टार जज के रूप में चर्चा में हैं। उनका कहना है कि किसी प्रतियोगी का मूल्यांकन करते समय केवल उसकी गायकी की तकनीक पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि उसकी अपनी पहचान कितनी मजबूत है, उसमें आगे बढ़ने का कितना जुनून है और वह अपनी प्रतिभा के दम पर दर्शकों से किस तरह जुड़ पाता है। हिमेश रेशमिया ने कहा कि जज की भूमिका सिर्फ अच्छी आवाज पहचानने तक सीमित नहीं होती, बल्कि कलाकार की क्षमता, आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने के साहस को समझना भी जरूरी है। हिमेश ने अपने संगीत सफर का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने खुद महसूस किया है कि सफलता के साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। ऐसे में कलाकार को अपनी पुरानी उपलब्धियों पर निर्भर रहने के बजाय लगातार कुछ नया सीखने

और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। उनके मुताबिक, खुद को बदलने का अर्थ केवल अपनी छवि में बदलाव करना नहीं है, बल्कि अपनी सीमाओं को चुनौती देना, नए प्रयोग करना और अपने काम के प्रति जुनून बनाए रखना है। गायक ने बताया कि हजारों हिट गाने देने के बाद भी संगीत के प्रति उनका उत्साह वैसा ही है, जैसा करियर की शुरुआत में था। वह हर नए संगीत प्रोजेक्ट को नई संभावनाओं के साथ देखते हैं और चाहते हैं कि शो में भाग लेने वाले कलाकार भी इसी उत्सुकता और सीखने की भावना को बनाए रखें। उनका मानना है कि किसी भी कलाकार के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अनुभव और सफलता के बावजूद आगे बढ़ने के नए अवसर हमेशा मौजूद रहते हैं। ‘इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न’ में अलग-अलग सीजन में अपनी पहचान बना चुके गायक एक बार फिर मंच पर नजर आएंगे। इस बार शो में 12 जोड़ियां हिस्सा लेंगी, जो अपनी गायकी और प्रस्तुति से एक-दूसरे को चुनौती देंगी।



बॉलीवुड डेब्यू सपना सच होने जैसा ईशा मालवीय

बॉलीवुड में कदम रखने जा रही अभिनेत्री ईशा मालवीय का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बॉलीवुड फिल्म में काम करने का अवसर मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ईशा मालवीय अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। फिल्म ‘तुम मेरे हो’ से बड़े पर्दे पर नई पारी शुरू करने को लेकर ईशा बेहद उत्साहित हैं। हालांकि, पहली फिल्म होने के कारण उनके मन में घबराहट भी है, लेकिन इस नए सफर की खुशी उनके डर पर भारी है। मीडिया से ईशा मालवीय ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर कई बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि पहली फिल्म होने की वजह से वह नर्वस हैं और मन में डर भी है, लेकिन उनकी खुशी इससे कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। वह अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, संघर्ष और माता-पिता के योगदान को भी दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं। अब तक उन्होंने जो मेहनत की और जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया, उसका परिणाम सामने आ रहा है। इस सफर में उनके माता-पिता ने भी कई परेशानियां झेली हैं। ऐसे में बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए बेहद भावुक और खुशी का पल है। ईशा ने बताया कि कई बार उन्हें अब भी यकीन नहीं होता कि वह वास्तव में किसी बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्हें ऐसा लगता है, जैसे वह कोई सपना देख रही हों। हालांकि, जब वह फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि उनका सपना हकीकत बन रहा है। उन्होंने इस अनुभव को खास बताते हुए कहा कि वह अपने करियर के इस नए अध्याय को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म ‘तुम मेरे हो’ की कहानी के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सरल और खुबसूरत प्रेम कहानी देखना चाहते हैं। उनके मुताबिक, आजकल फिल्मों में हिंसा और खून-खराबे की अधिकता को लेकर दर्शक सवाल उठाते हैं। ऐसे में एक सीधी-सादी प्रेम कहानी की जरूरत महसूस होती है। इसी सोच के साथ फिल्म दर्शकों के सामने लाई जा रही है। आशीष पांडा के निर्देशन में बनी ‘तुम मेरे हो’ एक म्यूजिकल फिल्म है। इसमें ईशा मालवीय के साथ अभिनेता गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।



फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना रोमांचक: कश्मीरा शाह

स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में अभिनेत्री और फिल्ममेकर कश्मीरा शाह ने अपने दूसरे निर्देशन प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। इस फिल्म की शूटिंग ग्रीस में की जा रही है। सोशल मीडिया पर शूटिंग से जुड़ी कुछ झलकियां साझा करते हुए कश्मीरा ने अपने नए सफर को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि ग्रीस में फिल्म की शूटिंग करना केवल लोकेशन का चुनाव नहीं है, बल्कि यह जगह उनकी कहानी का एक महत्वपूर्ण किरदार भी है। कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि स्वतंत्र फिल्ममेकर के रूप में दूसरी फिल्म का निर्देशन शुरू करना उनके लिए बेहद रोमांचक है। उन्होंने कहा कि अपने सपने को साकार होते देखना गर्व की बात है। अभिनेत्री ने अपने संदेश में लोगों को सपनों पर विश्वास करने और उन्हें पूरा करने के लिए अपने सहज दायरे से बाहर निकलने की प्रेरणा भी दी। उनके मुताबिक, जब इसान अपने लक्ष्य पर भरोसा रखता है और उन्हें पूरा करने के लिए साहस दिखाता है, तो आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलते हैं। कश्मीरा ने अपनी पोस्ट में फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों के लिए पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने ग्रीस को फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि वह अपनी शर्तों पर कहानियां कहने के अवसर को खास मानती हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक फिल्म की कहानी, कलाकारों और रिलीज से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। कश्मीरा शाह निजी जिंदगी और पेशेवर कामों को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने अपने लंबे समय के साथी और अभिनेता-कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से वर्ष 2013 में शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात श्याम सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म ‘और पप्पू पास हो गया’ के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों का रिश्ता आगे बढ़ा और उन्होंने शादी करने का फैसला किया। हाल ही में कश्मीरा और कृष्णा मनोरंजन आधारित कुकिंग शो ‘लाप्टर शेफस अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट’ के तीसरे सीजन में नजर आए हैं। इस कार्यक्रम में अली गोनी, जन्नत जुबेर, एल्विश यादव, ईशा मालवीय, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, गुरमीत चौधरी, देबिना बनर्जी, विवियन डीसेना और ईशा सिंह जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शो की मेजबानी भारती सिंह करती हैं, जबकि शेफ हरपाल सिंह सोखी निर्णायक की भूमिका निभाते हैं। कश्मीरा हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। वह ‘बिग बॉस’ के पहले सीजन, ‘नच बलिए 3’ और ‘खतरों के खिलाड़ी 4’ जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। राम गोपाल वर्मा की फिल्म ‘जंगल’ से उन्हें खास पहचान मिली थी। अब निर्देशन के क्षेत्र में अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ वह अपनी रचनात्मक पहचान को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

टाइगर पर हमले, सलमान की बढ़ी सुरक्षा

रविवार शाम जुहू में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद, मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान के घर के बाहर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मी और पुलिस की गाड़ियां देखी गईं। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे, जब टाइगर श्रॉफ जुहू के एक फुटबॉल वलब से निकल रहे थे, तब अज्ञात लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग कर दी। अभिनेता तो गोली लगने से बच गए, लेकिन इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त मोहित गर्ग ने पुष्टि की कि जब अभिनेता वलब परिसर से निकल रहे थे, तब उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए अपना तलाशी अभियान गुजरात तक बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने टाइगर की गतिविधियों पर नजर रखी थी और उन्हें पता था कि वह हर रविवार फुटबॉल ग्राउंड जाते हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि हमलावरों ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी और अभिनेता के रूटीन को अच्छी तरह समझ लिया था।



जेमी लीवर ने कॉमेडी के लिए छोड़ी नौकरी, बनाई पहचान



कॉमेडी की दुनिया में मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर अपनी शानदार मिमिक्री, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। जॉनी लीवर की बेटी होने के बावजूद जेमी ने अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत का रास्ता चुना। कॉमेडी को करियर बनाने से पहले जेमी लीवर ने कॉर्पोरेट क्षेत्र में नौकरी की, लेकिन मंच पर लोगों को हंसाने के जुनून ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया की ओर खींच लिया। हाल ही में जेमी लीवर ने 19 अक्टूबर अपना जन्मदिन मनाया। उनका बचपन ऐसे परिवार में बीता, जहां कॉमेडी और मनोरंजन का माहौल था। उनके पिता जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय हास्य कलाकारों में शामिल रहे हैं। इसके बावजूद जेमी ने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने पर ध्यान दिया। जेमी ने शुरुआती पढ़ाई मुंबई में की और आगे

की शिक्षा के लिए लंदन चली गईं। उन्होंने वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मार्केटिंग कम्प्युनिकेशन में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने लंदन की एक मार्केट रिसर्च कंपनी में मार्केटिंग एजीक्यूटिव के तौर पर काम किया। उस समय उनकी दिनचर्या ऑफिस, मार्केट रिपोर्ट और व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच गुजरती थी। हालांकि, उनके मन में मंच पर प्रस्तुति देने और लोगों को हंसाने की इच्छा लगातार बनी रही। लंदन में रहते हुए जेमी ने कॉमेडी वलबों में ओपन माइक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू की। छोटे मंचों पर दर्शकों के सामने प्रस्तुति देने से उन्हें अनुभव मिला और अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ा। धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि कॉमेडी ही वह क्षेत्र है, जिसमें वह अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। इसके बाद उन्होंने कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर भारत लौटने और

मनोरंजन जगत में करियर बनाने का फैसला किया। जेमी की सबसे बड़ी ताकत उनकी मिमिक्री है। वह अलग-अलग अभिनेत्रियों और चर्चित हस्तियों की आवाज, बोलने के अंदाज और हाव-भाव को मजेदार तरीके से प्रस्तुत करती हैं। कंगना रनौत, फराह खान और श्रुदेवी जैसी हस्तियों की नकल करने वाले उनके वीडियो सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए। टेलीविजन कार्यक्रम ‘कॉमेडी सर्कस के महाबली’ में उनकी प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों के बीच पहचान बनाने में मदद की। कॉमेडी के बाद जेमी ने अभिनय में भी हाथ आजमाया। वर्ष 2015 में फिल्म ‘किस किसको प्यार करू’ से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा। इसके बाद वह ‘हाउसफुल 4’, ‘भूत पुलिस’, ‘ऋक’ और ‘यान्त्रियों’ जैसी फिल्मों में नजर आईं। वर्ष 2024 में उन्होंने तेलुगु सिनेमा में भी शुरुआत की।

सूडानमें ड्रोने हमले: 160 से अधिक नागरिकों की जान गई, बच्चे सहित लोग निशाने पर

सूडान,एजेंसी। सूडान में अप्रैल 2023 से सेना और अर्धसैनिक संगठन रेपिड सपोर्ट फोर्सज (आरएसएफ) के बीच जारी गृहयुद्ध अब लोगों के लिए अत्यंत घातक मोड़ ले चुका है। हाल के दिनों में हुए भीषण ड्रोन हमलों में 160 से अधिक लोगों की जान गई है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। ये हमले भीड़भाड़ वाले बाजारों, बस स्टॉप और विस्थापित लोगों के ठिकानों को किए गए हैं, जिससे मानवीय त्रासदी और गहरी हो गई है। सबसे ज्यादा मौतों की खबर दक्षिण-पश्चिमी सूडान के वेस्ट कोर्डोफ़ान राज्य के अल-दिबाब शहर से आई है। यहां रविवार शाम एक बाजार के पास बस स्टॉप पर हुए ड्रोन हमले में करीब 80 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, और गंभीर रूप से घायल 47 लोगों में से 30 ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई। नागरिक हिंसा पर नजर रखने वाले संगठन इमरजेंसी ने हमले के लिए सूडानी सेना को जिम्मेदार ठहराया है। इसी तरह, सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित अबेई क्षेत्र में सोमवार को एक बाजार पर हुए ड्रोन हमले में भी लगभग 73 लोग मारे गए। इस हमले का आरोप भी सूडानी सेना पर लगाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ब्लू नाइल प्रांत में विस्थापित लोगों के एक समूह पर हुए ड्रोन हमले में 41 लोगों की जान गई, जिसकी जानकारी इमरजेंसी सर्विस ने दी। राजधानी खार्तूम में हुए हमलों ने तीन बच्चों की मौत हुई, जबकि दक्षिण दारफुर राज्य की राजधानी न्याला में 17 लोगों की जान गई, जिसमें आरएसएफ के सात अधिकारी शामिल थे।

पाक एयरलाइनमें बड़ा घोटाला, 20 कर्मचारियों ने प्रीमियम सीट बुकिंगमें की हेराफेरी

-कर्मचारी यात्रियों से एवरस्ट-लेगरूम और ब्लकहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे
इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस में प्रीमियम सीटों की बुकिंग को लेकर घोटाला सामने आया है। लाहौर एयरपोर्ट पर 20 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर एयरलाइन को 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का चूना लगाने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये कर्मचारी यात्रियों से प्रीमियम, एवरस्ट-लेगरूम और ब्लकहेड सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूलते थे, लेकिन एयरलाइन के रिकॉर्ड में इन सीटों को सामान्य दिखाकर रकम को कंपनी के खाते में जमा नहीं करते थे। यह हेराफेरी मई 2024 और 2025 के रिकॉर्ड की जांच के दौरान सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक लाहौर फाइनैस एंड ऑडिट कமிटी ने इन वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया। ऑडिट में खुलासा होने के बाद अब इन कर्मचारियों के वेतन से 50,60,269 पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा की रकम काटकर पीआईई के खाते में जमा कराई जा चुकी है। पीआईई पहले से ही आर्थिक नुकसान, कुपबंधन और सरकारी मदद पर अत्यधिक निर्भरता के लिए जानी जाती है। एयरलाइन को लंबे समय से हो रहे घाटे के कारण इसके निजीकरण की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, निजीकरण की शर्तों पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि सरकार ने पीआईई की करीब 650 अरब रुपए की पुरानी देदारियों को एक होल्डिंग कंपनी में डाल दिया था, ताकि खरीदार को पुराने कर्ज का बोझ न उठाना पड़े। इस कदम की आलोचना करने वालों का कहना है कि पुराने कर्ज का बोझ अंततः जनता पर ही रहेगा। ऐसे समय में जब पीआईई अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और निजीकरण की राह पर है, प्रीमियम सीटों की कमाई में इस तरह की गड़बड़ी एयरलाइन की आंतरिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है।



उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव फिर खतरनाक स्तर पर

दक्षिण कोरिया ने कहा- वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा

प्योंग यान,एजेंसी। कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सीमा पर सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने और दक्षिण कोरिया के खिलाफ प्रोपेगेंडा अभियान दोबारा शुरू करने की धमकी दी है। इसके जवाब में दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों को किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने सीमा पर टकराव का खतरा बढ़ा दिया है। किम यो जोंग ने धमकी देते हुए सीमा के हालात को बेहद अस्थिर बताया और दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग दक्षिण



कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान फिर से शुरू करने और ज्यादा सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उत्तर कोरिया की इस चेतावनी के बाद दक्षिण कोरिया ने साफ कर दिया कि वह अपनी सीमा की सुरक्षा से जुड़े कदमों से पीछे नहीं हटेगा। दोनों देशों के बीच मौजूदा विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक माइन विस्फोट के बाद और बढ़ गया, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने सीमा के दक्षिणी हिस्से में माईस बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर

कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते समय सैन्य सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के दौरान चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई और लाउडस्पीकर के जरिए संदेश प्रसारित किए, जिसे उत्तर कोरिया उकसावे वाला बता रहा है। उत्तर कोरिया की धमकियों के बाद दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने गंभीर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी के तौर पर गोली चलाना और प्रसारण करना रक्षात्मक उपाय हैं, जिनका मकसद उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकना है। दक्षिण कोरिया ने चेतावनी दी कि अगर उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिशों का जवाब देने की अपील की गई है।

देश की नकारात्मक छवि बनाने वाले आरोपों व अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल ना हो

भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर यूएन की आलोचना का दिया जवाब

जेनेवा, एजेंसी। भारत ने हाल के विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के तरीके पर संयुक्त राष्ट्र की आलोचना का जवाब दिया है। भारत ने चेतावनी दी है कि देश की नकारात्मक छवि पेश करने के लिए बिना पुष्टि वाले आरोपों और अधूरे आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी और शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बोलते हुए, विदेश मंत्रालय की उप सचिव बरखा ताप्रकार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ भारत का जुड़ाव बातचीत, परामर्श, सहयोग, गैर-चयनात्मकता और पारदर्शिता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार तंत्रों के साथ जुड़ता है, लेकिन इस जुड़ाव का आधार संवाद, परामर्श, सहयोग, निष्पक्षता और पारदर्शिता जैसे सिद्धांत होने चाहिए।

होर्मुज से गैस आपूर्ति प्रभावित होने से पाकिस्तान का गहराया ऊर्जा संकट

-बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का बढ़ रहा इस्तेमाल

इस्लामाबाद,एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष और होर्मुज से गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण पाकिस्तान एक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। एलएनजी की कमी के चलते देश को सर्दियों में अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से महंगी कीमतों पर एलएनजी खरीदनी पड़ सकती है। पाकिस्तान एलएनजी लिमिटेड के प्रमुख मसूद नबी ने चेतावनी दी है कि यदि आपूर्ति में बाधाएं बनी रहें, तो आने वाले सर्दियों के महीने देश के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण साबित होंगे। एलएनजी गैस की कमी से बिजली उत्पादन के लिए कोयले और तेल जैसे दूसरे ईंधनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। इससे पहले से ही प्रदूषण की मार झेल रहे लाहौर और पंजाब के दूसरे शहरों में जहरीले स्मॉग का संकट और गहरा सकता है। पाकिस्तान की एलएनजी आपूर्ति का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों, खासकर कतर से आता है, लेकिन मिडिल ईस्ट में संघर्ष की वजह से होर्मुज से एलएनजी की दुलाई प्रभावित हुई है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसे सर्दियों में गैस की जरूरत पूरी करने के लिए महंगे विकल्पों पर निर्भर होना पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2026 से फरवरी 2027 के बीच आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट से एलएनजी के 10 अतिरिक्त कार्गो खरीदने पड़ सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 अरब डॉलर से अधिक होगी। स्पॉट मार्केट से खरीदी जाने वाली गैस की कीमत कतर से मिलने वाली एलएनजी की तुलना में लगभग दोगुनी हो सकती है, जो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा वित्तीय बोझ साबित होगा। यदि प्रमुख आपूर्तिकर्ता देशों से गैस की आपूर्ति बाधित हो जाए या समुद्री मार्गों से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो, तो उसका असर बिजली, उद्योग, घरेलू जरूरतों और सरकारी वित्त पर एक साथ पड़ सकता है।

भारतीय जेम्स बांड डोभाल से डरा पाकिस्तान... आंतरिक अस्थिरता या हमले के लिए जिम्मेदार

लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मजहर जमील ने लगाया आरोप

जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करना है। लंदन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) में जमील ने आरोप लगाया कि भारत अपनी नीति के तहत आंतकवाद का निर्यात कर रहा है और पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के सिद्धांत को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। अपने दावों का समर्थन करने के लिए, उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें 1971 में मुक्ति वाहिनी और 1980 के दशक में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) को भारत द्वारा कथित समर्थन

शामिल है। जमील ने 2001 से 2014 के बीच अफ़ग़ानिस्तान में इंटरनेशनल सिन्क्योरिटी अक्सिस्टेंस (आईएसएफ) के दौरान अफ़ग़ान-पाकिस्तान सीमा पर भारत द्वारा छह वाणिज्य दूतावास संचालित करने की भी जिक्र किया। जमील ने भारत पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसका अर्थ है कि ये मिसाइलें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के वॉरहेड ले जा सकती हैं। हालांकि, यह दावा पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइलें केवल पारंपरिक वॉरहेड ले जा सकती हैं और वे भारत की सामरिक बल कमान का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने आरोप

भारत ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर की प्रतिबंध की मांग

जिनेवा, एजेंसी। अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्यीकरण और इसके हथियारकरण से जुड़े गंभीर जोखिमों के बीच भारत ने बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर रोक लगाने के लिए एक व्यापक और कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि अपनाने की वकालत की है। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने हाल ही में कहा कि भारत एक ऐसे कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज को प्राथमिकता देता है, जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य हो, सत्यापन योग्य हो और बहुपक्षीय बातचीत से तय किया गया हो। उन्होंने जोर दिया कि बाहरी अंतरिक्ष की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरों, गलतफहमी और गलत आकलन के जोखिमों के साथ-साथ अंतरिक्ष में बल प्रयोग क्या माना जाएगा, इन सभी पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए।

विजयदशमी पर ईरान ने भारत को दी बधाई, बुराई के अंधकार को अच्छाई के प्रकाश से दूर करें –अमेरिकी राष्ट्रपति पर कसा तंज– ट्रंप को रावण के रूप में किया पेश

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने विजयदशमी पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अनोखे और दिलचस्प अंदाज में तंज कसा है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था- जब ट्रंप को आखिरकार अपनी गलती का एहसास होता है। इस पोस्ट के जरिए ट्रंप को प्रतीकात्मक रूप से रावण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत के भारतीय त्योहार के प्रतीक का उपयोग करता है। संदेश में ईरान के भारत की शहरों की शुभकामनाएं दी और कहा कि बुराई के अंधकार को हमेशा अच्छाई का प्रकाश दूर करे और सत्य, सहस्र व सद्भावना की जीत हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूतावास ने उम्मीद जताई कि यह त्योहार भारत में शांति, समृद्धि, आपसी मेलजोल और खुशियां लेकर आएगा। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य और आर्थिक टकराव जारी है, जिससे यह प्रतीकात्मक राजनीतिक संदेश और भी अहम हो जाता है। ऐसे में ट्रंप को लेकर साझा की गई तस्वीर के जरिए ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश देने की कोशिश की है कि ट्रंप उसके मामलों में गलत हैं और ईरान सही है। यह तस्वीर अमेरिका के प्रति ईरान के विरोध और तंज वाले मीम की सीरीज का हिस्सा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी गंभीर बना हुआ है। ऐसे गंभीर भू-राजनीतिक माहौल में ईरान का यह प्रतीकात्मक और तंतूपूर्ण संदेश सुखियां बटोर रहा है।

फ्रांस दंगों में 54 संगठनों की भूमिका का दावा, भारतीय विचारक भी निशाने पर



मिलने की बात कही गई है। प्रदर्शनों के दौरान प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पेरिस-नई दिल्ली-ब्यूनस आयर्स लिखकर अलग-अलग देशों के आंदोलनों के बीच समानता जाहिर की थी, जिसने मीडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शनों को समर्थन देने के उदाहरण के रूप में पेश किया है। इंडियन

अलायंस पेरिस नाम के फ्रांस स्थित भारतीय समुदाय के संगठन का भी उल्लेख है, जिसने फ्रांस और भारत में युवाओं के आंदोलनों के बीच संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोनूं ने वामपंथी राजनीतिक दल ला फ्रांस इंसोमिस (एलएफआई) पर प्रदर्शनों का

राजनीतिक फायदा उठाने और अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में सभी 54 संगठनों की भूमिका साबित नहीं करती, बल्कि उनके प्रदर्शनों में शामिल होने और समर्थन देने के जुड़ाव को दिखाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि किसी संगठन का प्रदर्शन में शामिल होना, समर्थन देना या वीडियो साझा करना अपने आप में हिंसा कराने का प्रमाण नहीं है। ये प्रदर्शन मूल रूप से शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और सरकारी नीतियों को लेकर शुरू हुए थे, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं भी हुईं, जिससे इन विरोध प्रदर्शनों का स्वरूप बदल गया।

मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप को झटका, लोकप्रियता हुई धड़ाम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आ रही है, जो आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बन गई है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक, केवल 31 फीसदी अमेरिकी ही ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट हैं, जो उनके दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों में अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले सामने आया है, जहां प्रतिनिधि सभा और सीनेट की सीटों के लिए मतदान होना है। सर्वेक्षण में कांग्रेस के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी पर 12 अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 47 फीसदी पंजीकृत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देने की बात कह रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में केवल 35 फीसदी मतदाता हैं। दो सप्ताह पहले के मुकाबले ट्रंप की लोकप्रियता एक प्रतिशत अंक और गिरी है, जबकि डेमोक्रेट का समर्थन 44 से बढ़कर 47 प्रतिशत और रिपब्लिकन का समर्थन 37 से घटकर 35 प्रतिशत हो गया है। इन नतीजों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिनिधिसभा और सीनेट दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने की उम्मीदों को मजबूत किया है।



जोड़ दिया है। जमील ने मार्च 2022 में भारतीय वायुसेना द्वारा गलती से ब्रह्मोस मिसाइल लांच किए जाने की घटना को पाकिस्तान पर जानबूझकर किया गया ब्रह्मोस हमला का कारण दिया। यह मिसाइल एक अभ्यास के दौरान गलती से लांच हुई थी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के खानेवाल जिले में गिरी थी।

किशोर ने ट्रक पर फायरिंग की फिर स्कूल में घुसकर तीन बच्चों व टीचर की कर दी हत्या

-मां ने बर्थडे पर बंदूक दी थी गिफ्ट, जांबाज राहगीर ने की हमलावर को रोकने की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के बेंड शहर में एक स्कूल में एक किशोर ने तीन बच्चों और एक शिक्षिका की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी किशोर का नाम ग्रिफिन जे. जॉन द्वितीय बताया जा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा और हथियारों तक आसानी से पहुंच के मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौकाने वाली बात यह है कि वारदात में इस्तेमाल की गई शॉटगन उसकी मां शॉन्टाय निक्सन ने अगस्त 2026 में कानूनी रूप से खरीदी थी और जन्मदिन के तोहफे के रूप में अपने बेटे को दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मां ने यह बंदूक बेटे को मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करने के मकसद से दी थी, लेकिन इसका परिणाम घातक निकला। पुलिस के मुताबिक इस हमले में पांच साल के रोआम समर, 8 और 11 साल के दो अन्य बच्चों के साथ-साथ 25 साल की शिक्षिका मेगन लैबर्ट की जान चली गई। हमले में 7 साल की एक बच्ची और 54 साल की एक शिक्षिका भी घायल हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक घटना पिछले गुरुवार को

हुई, जब जॉन द्वितीय ने स्कूल पहुंचने से पहले सड़क से गुजर रहे एक पिकअप ट्रक पर गोली चलाई। ट्रक के ड्राइवर ने ही सबसे पहले पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद किशोर ने स्कूल के बंद कांच वाले दरवाजों पर गोली चलाई और अंदर घुस गया। वह पहली कक्षा में पहुंचा और वहां मौजूद लोगों पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी के समय कक्षा में कुल नौ लोग मौजूद थे। हमलावर को रोकने में एक राहगीर ने बहादुरी का परिचय दिया। उन्होंने पहले पिकअप ट्रक पर हुई गोलीबारी देखी और फिर किशोर का पीछा करते हुए स्कूल के अंदर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि उस समय एक शिक्षिका आरोपी से बंदूक छीनने के लिए संघर्ष कर रही थीं, तभी दो छात्राओं के पिता जियामेंको कक्षा में पहुंचे और उन्होंने किशोर को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जियामेंको के हस्तक्षेप से हमलावर को रोक जा सका, अन्यथा हताहतों की संख्या और बढ़ सकती थी। यह घटना अमेरिका में बंदूक नियंत्रण कानूनों की समीक्षा और किशोरों तक हथियारों की पहुंच पर बहस छेड़ दी है।